विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911
सोफा, दीवान, कुर्सी, पलंग, डाईनिंग टेबल, ड्रेसिंग टेबल सहित सभी प्रकार के फर्नीचरों के निर्माता एवं विक्रेता
सही दाम विश्वसनीयता का प्रतीक
शारदा विहार, रेल्वे क्रासिंग के पास, पावर हाउस रोड, कोरबा

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 140 | कोरबा, गुरुवार, दिनांक 19 फरवरी 2026 डाक 20 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को विकासनगर, खाटू श्याम धाम में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

देश-विदेश
एआई के जिम्मेदार उपयोग के लिए सर्वाधिक संकल्प लेकर बनाया विश्व रिकॉर्ड, अश्विनी वैष्णव ने की घोषणा

फीचर पेज
गर्मियों के दौरान जिम जाने से पहले खाएं ये चीजें, एक्सरसाइज के लिए मिलेगी ऊर्जा

भारत नई टेक्नोलॉजी बनाता है, उसे तेजी से अपनाता भी है: पीएम

नईदिल्ली 19 फरवरी [एजेंसी]।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में पीएम मोदी संबोधन कर रहे हैं। समावेशी और 'सॉवरेन एआई' के विजन पर भारत की प्राथमिकताओं को बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी तेजी से एआई को स्वीकार कर रही है। यंग टैलेंट का इसमें आना गर्व की बात है।

एआई इम्पैक्ट समिट में अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत नई टेक्नोलॉजी बनाता है, उसे तेजी से अपनाता भी है। भारत टेक टैलेंड का केंद्र है। भारत युवा आबादी का सबसे बड़ा देश है। एआई इम्पैक्ट समिट में पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि दुनिया के इस ऐतिहासिक एआई समिट में आप सभी का दिल से स्वागत है। 1.4 बिलियन भारतीयों की तरफ से, मैं आप सभी का स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, यह एआई समिट भारत में हो रहा है, जो इंसानियत का छठा हिस्सा है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी वाला देश है। यह सबसे बड़े टेक टैलेंट का सेंटर है और सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इनेबलमेंट इकोसिस्टम में से एक है। पीएम मोदी ने कहा, कुछ लोगों को नई टेक्नोलॉजी पर शक है। लेकिन जिस तरह से युवा पीढ़ी एआई को अपना रही है, वह पहले कभी नहीं देखा गया। एआई समिट एग्जिबिशन को लेकर भी यहां जबरदस्त उत्साह देखा गया है। दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का प्रतिनिधित्व, दुनिया के कोने-कोने से यहां आए महानुभाव इस समित की सफलता को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। इसमें युवा पीढ़ी की जो उपस्थिति हमने देखी है, वो एक नया विश्वास पैदा करती है। पीएम मोदी ने कहा, इंसानी इतिहास में कुछ ऐसे मोड़ आए हैं जिन्होंने पूरी सदियों को बदल दिया। इन मोड़ों ने सभ्यता की दिशा तय की और विकास की रफ्तार बदल दी।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इतिहास में ऐसा ही एक बदलाव है। एआई मशीनों को इंटेलिजेंट बना रहा है। साथ ही, यह इंसानी काबिलियत को कई गुना बढ़ा रहा है।

इसलिए, आज असली प्रश्न ये नहीं है कि भविष्य में एआई क्या कर सकती है। प्रश्न ये है कि वर्तमान में हम एआई के साथ क्या करते हैं। आज मशीन लर्निंग से लर्निंग मशीन तक का सफर तेज भी है, गहरा भी है, व्यापक भी है। इसलिए, हमें विजन भी बड़ा रखना है और जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी निभानी है। वर्तमान पीढ़ी के साथ ही हमें इस बात की भी चिंता करनी है कि आने वाली पीढ़ियों के हाथों में हम एआई का क्या स्वरूप सौंपकर जाएंगे।

भारत ने जो बनाया वो कोई और नहीं बना सकता, यूपीआई के मुरीद हुए मैक्रों

नई दिल्ली 19 फरवरी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में अपना भाषण नमस्ते कहकर शुरू किया और भारत की तारीफ। उन्होंने कहा कि भारत ने वो बनाया है जो कोई और देश नहीं बना सकता है। मैक्रों ने भारत दौरे की शुरुआत मुंबई से की थी। मुंबई सीएसटी स्टेशन पर रात को वॉक करते हुए उनका एक वीडियो खूब वायरल भी हुआ था। समिट स्पीच के दौरान उन्होंने मुंबई में सड़क किनारे सामान बेचने वाले एक शख्स की किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि कैसे डिजिटल पेमेंट सिस्टम का भारत में तेजी से विस्तार होने पर उस शख्स की जिंदगी बदल गई। उन्होंने कहा, 10 साल पहले, मुंबई में एक सड़क किनारे बेचने वाला बैंक अकाउंट नहीं खोल सकता था। कोई पता नहीं, कोई कागज़ नहीं, कोई एक्सेस नहीं... आज वही बेचने वाला अपने फोन पर पेमेंट लेता है। यह कोई टेक्नोलॉजी की कहानी नहीं है, यह एक सिविलाइजेशन की कहानी है। दिल्ली में एआई बिजनेस लीडर्स, इनोवेटर्स और पॉलिसीमेकर्स के साथ पांच दिन के समिट में मैक्रों ने इस नई टेक्नोलॉजी को अपनाने में भारत की तेजी से तरक्की की तारीफ की है। मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा, भारत ने कुछ ऐसा बनाया जो दुनिया का कोई दूसरा देश नहीं बना सकता है। 1.4 बिलियन लोगों के लिए एक डिजिटल पहचान, एक पेमेंट सिस्टम जो अब हर महीने 20 बिलियन ट्रांज़ैक्शन प्रोसेस करता है, एक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर जिसने 500 मिलियन डिजिटल हेल्थ ID जारी किए हैं।

मुकेश अंबानी का बड़ा ऐलान, कहा- अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे

नई दिल्ली। एआई इंपैक्ट समिट में भारत के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भी बड़े ऐलान किए। उन्होंने कहा कि एआई का सबसे अच्छा दौर आना अभी बाकी है। उन्होंने कहा, एआई कई क्षेत्रों में नए दौर की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया इस बात पर बहस कर रही है कि क्या एआई के कारण ताकत कुछ लोगों के हाथों में सिमट जाएगी। या एआई सभी के लिए मौके और सबके लिए आसान अवसर का माध्यम बनेगा। उन्होंने मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमता के असर को रेखांकित करते हुए कहा, आज एआई को लेकर दुनिया दोराहे पर खड़ी है। एक रास्ता कम, महंगे एआई और कंट्रोल्ड डाटा की तरफ ले जाता है, दूसरा सस्ता, आसानी से मिलने वाली एआई की सुविधा सुनिश्चित करता है। मुकेश अंबानी ने अपने घराने की प्रतिबद्धता साझा करते हुए कहा, जिस तरह कंपनी ने मोबाइल डाटा का कॉस्ट कम किया है, उनका ग्रुप एआई की कॉस्ट भी कम करेगा। उन्होंने कहा कि जियो और रिलायंस इंडिया लिमिटेड इस साल से शुरूआत कर अगले 7 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

शराब कारोबारी की पांच करोड़ की एफडी पर 08 करोड़ की बैंक गारंटी, आरबीआई से छिपाई

देहरादून 19 फरवरी। यूसीबी में की गई वित्तीय अनियमितता की कड़ी में एक और गंभीर मामला सामने आया है। एक शराब कारोबारी ने बताया कि उनका बैंक में करीब 09 करोड़ रुपए फंसा है। उन्होंने आठ करोड़ रुपए की जो बैंक गारंटी आबकारी विभाग में जमा कराई है, उसके लिए बैंक में पांच करोड़ रुपए की एफडी कराई गई थी। लेकिन, अब पता चला है कि बैंक गारंटी सिर्फ कागजों में दर्शाई गई है। पत्रकार वार्ता के दौरान शराब कारोबारी ने कहा कि उन्होंने बैंक गारंटी को लेकर प्रबंधन से संपर्क किया था, लेकिन पता चला कि उसे आरबीआइ के समक्ष घोषित ही नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठाया गया कि फिर पैसा कहां गया। इस बात का ठोस जवाब अभी नहीं मिल पाया है।

शिवनेरी किले में शिवाजी जयंती पर बेकाबू भीड

श्रद्धालु का पैर फिसलने से भगदड़ जैसे हालात, 3 घायल

पुणे, 19 फरवरी [एजेंसी]।

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती है। महाराष्ट्र के शिवनेरी में शिवाजी के जन्मस्थान पर भारी भीड़ उमड़ी है, वहीं इस दौरान अफरा-तफरी और भगदड़ जैसे हालात पैदा होने पर महिलाओं और बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। पुलिस के जवानों ने हालात को काबू करने का भरसक प्रयास किया। शिवाजी जंयती के मौके पर शिवनेरी किले में देर रात से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जिसे बाद भीड़ बढ़ती गई और अचानक अफरा-तफरी जैसे हालात पैदा हो गए। इस दौरान पुलिस ने लोगों को नियंत्रित करने के साथ-साथ सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए, लेकिन लोगों की संख्या अधिक होने से हालात खराब हो गए। जिले के जुन्नर तालुका में शिवनेरी किले में बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए उचित पुलिस फोर्स न होने से ऐसे हालात बने। इस दौरान अंबरखाना के नीचे मौजूद हाथी दरवाजा इलाके में और गणेश दरवाजा जैसे कई संकरे रास्तों पर एकाएक बहुत ज्यादा भीड़ पहुंच गई, इसी के बाद अफरा-तफरी मची।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सीबीएसई परीक्षा के दौरान मचा हड़कंप

नोएडा 19 फरवरी। नोएडा में उस समय हड़कंप मच गया, जब शहर के एक दर्जन से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। यह धमकी ऐसे समय में दी गई, जब स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षा के दौरान आई इस धमकी ने छात्रों, अभिभावकों और स्कूल प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार सुबह कई निजी स्कूलों के आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरे संदेश भेजे गए। ईमेल में स्कूल परिसरों को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तत्काल स्थानीय पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी दी। एहतियात के तौर पर कुछ स्कूलों में छात्रों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, जबकि कई जगहों पर परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षा घेरे में जारी रखा गया।

जिनकी लंगोटियां फटी वो हमारी पगड़ी उछाल रहे

नवजोत सिद्धू ने शायराना अंदाज में कसा तंज, क्या हैं मायने?

चंडीगढ़, 19 फरवरी [एजेंसी]।

पंजाब की सियासत के दिग्गज और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर अपनी शायराना स्ट्राइक को लेकर चर्चा में हैं। सिद्धू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर करते हुए अपने विरोधियों पर कड़ा तंज कसा है। उन्होंने साफ कर दिया है कि जो लोग उनकी कमियां ढूंढ रहे हैं, उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने स्टोरी पर लिखा... वो एक समंदर खंगालने में लगे हुए हैं, हमारी कमियां निकालने में लगे हुए हैं.... जिनकी अपनी लंगोटियां तक फटी हुई हैं, वो हमारी पगड़ी उछालने में लगे हुए हैं, ओ जाओ यार.... सिद्धू की इस शायरी के गहरे राजनीतिक और व्यक्तिगत मायने हैं। उन्होंने अपनी शायरी के जरिए उन लोगों पर निशाना साधा है जो बीते समय या वर्तमान में उनके कामों या उनमें कमियां तलाश रहे हैं। लंगोट्टियां फटे होना एक ठेठ मुहावरा है जिसका मतबल है कि सामने वाले की अपनी हालत खराब है, उसका खुद का दामन साफ नहीं है। लेकिन बावजूद इसके वह दूसरों की छवि को ठेस पहुंचाकर नैतिकता का पाठ सिखा रहे हैं। सिद्धू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब वे अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहे हैं। कुछ दिन पहले सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस ने पार्टी से निकाल दिया है। इस फैसले की पुष्टि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अमृतसर में मीडिया से बातचीत के दौरान की थी। वहीं, विवादों के कारण सिद्धू पहले ही कांग्रेस छोड़ चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट में सोनम वांगचुक की हिरासत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करने वाला है, जिसमें उनकी हिरासत को चुनौती देते हुए रिहाई की मांग की गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में, सर्वोच्च न्यायालय ने जेल में बंद वांगचुक से संबंधित भाषणों के अनुवादित प्रतिलेखों की सटीकता के संबंध में केंद्र से सवाल किया था। अदालत ने सोमवार को निर्देश दिया कि सितंबर 2025 में वांगचुक की गिरफ्तारी के समय उसे दी गई मूल पेन ड्राइव को गुरुवार तक अदालत के समक्ष पेश किया जाए। यह निर्देश गीतांजलि की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के अंतिम दिन से एक दिन पहले आया, जिसमें उन्होंने तर्क दिया है कि उनके पति की हिरासत प्रक्रियात्मक खामियों से ग्रस्त है। उन्होंने तर्क दिया है कि वांगचुक को उनकी गिरफ्तारी के कारणों के बारे में ठीक से सूचित नहीं किया गया था ।

बांग्लादेश हिंसा में हिंदू पुलिसकर्मी की हत्या का आरोपी एयरपोर्ट पर गिरफ्तार, फिनलैंड भागने की फिराक में था

ढाका, 19 फरवरी [एजेंसी]।

इमिग्रेशन विभाग ने एक बांग्लादेशी नागरिक को भारत में हिरासत में लेकर उसे वापस बांग्लादेश डिपोर्ट किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी की पहचान महदी अहमद रजा हसन के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वह भारत के रास्ते फिनलैंड भागने की कोशिश में था। इमिग्रेशन सूत्रों के अनुसार, महदी अहमद रजा हसन पर बांग्लादेश में हिंसा के दौरान एक हिंदू पुलिस अधिकारी संतोष चौधरी की हत्या का आरोप है। यह मामला बांग्लादेश में दर्ज है और आरोपी की तलाश जारी थी। अलर्ट के आधार पर भारतीय इमिग्रेशन एजेंसियों ने उसे रोका। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, आरोपी अंतरराष्ट्रीय उड़ान से यूरोप जाने की तैयारी में था।

दस्तावेजों की जांच और इंटर-एजेंसी इनपुट के बाद उसे हिरासत में लिया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संबंधित प्रक्रियाओं के तहत उसे बांग्लादेश भेज दिया गया। बांग्लादेश अब अपने देश के कानून के तहत मामले में आगे की कार्रवाई करेंगे। भारतीय एजेंसियों के मुताबिक सीमा-पार अपराध और वांछित आरोपियों पर निगरानी के लिए इमिग्रेशन चेक और सूचना-साझा करने के तंत्र को और सख्त किया गया है।

आप सरपंच की गोली मारकर हत्या, मैरिज होम में एके-47 लेकर पहुंचे थे बदमाश, डीएसपी और एसएचओ सस्पेंड

तरनतारन, 19 फरवरी [एजेंसी]।

नेशनल हाईवे पर स्थित सिद्धू फार्म मैरिज पैलेस में विवाह समागम के दौरान तीन शूटर मात्र डेढ़ मिनट में गांव ठट्ठियां महंता के आप समर्थित सरपंच हरबरिंदर सिंह संधू की गोलियां मारकर हत्या कर फरार हो गए। हमलावरों ने चचेरे भाई को बचाने के लिए आगे बढ़े जर्मनजीत सिंह को भी गोली मारकर गंभीर रूप से घायल दिया।

बाइक पर सवार होकर पैलेस पहुंचे तीनों आरोपितों में से दो के पास पिस्टल और एक के पास एक-47 थी। हमलावरों में से एक पगेड़ीधारी था। इसी बीच डीजीपी गौरव यादव ने सब डिवीजन पट्टी के डीएसपी जगबीर सिंह और थाना सरहाली के प्रभारी सब इंस्पेक्टर गुरिंदर सिंह को क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने पर निलंबित कर दिया है। इसी बीच गैंगस्टर सत्ता नौशहरिया ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट डालकर इस घटना की जिम्मेदारी ली है। थाना सरहाली के अधीन गांव ठट्ठियां महंतां निवासी किसान सेवा सिंह के बेटे गुरसेवक सिंह की अमृतसर जिले के गांव रईया निवासी मेजर सिंह की बेटी गगनदीप कौर की शादी के लिए कार्यक्रम गांव शेरों स्थित मैरिज पैलेस में रखा गया था। दोपहर डेढ़ बजे आनंद कारज की रस्म के बाद दूल्हा-दुल्हन पैलेस में पहुंचे। दूल्हा-दुल्हन मंच पर चढ़ रहे थे जबकि गांव ढट्ठियां महंतां के सरपंच हरबरिंदर सिंह संधू अपने साथियों सहित खाना खा रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर तीन हमलावर पैलेस में दाखिल हुए। दो हमलावरों ने पिस्टल से सरपंच हरबरिंदर सिंह पर पीछे से गोलियां मारीं, इससे सरपंच वहीं गिर गए। बचाव में चचेरा भाई जर्मनजीत सिंह आगे आया तो एक हमलावर ने उसे भी गोली मारकर घायल कर दिया। करीब पांच से सात राउंड गोलियों की आवाज सुनकर पूरे पैलेस में अफरा-तफरी मच गई जबकि तीसरे हमलावर ने एके-47 राइफल तानते हुए मेहमानों को एक तरफ भागने को कहा। करीब डेढ़ मिनट के दौरान गोलीकांड को अंजाम देकर हमलावर मौके से भाग गए। एसएसपी लांबा ने बताया कि सरपंच संधू को किसी भी प्रकार की कोई धमकी आदि नहीं मिली थी। फिर भी पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का कहर, दुकान के बाहर लोगों को कुचला, एक की मौत और दो घायल

मोगा। मोगा के गांव धलेके में गत रात्रि एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी बेकाबू होकर करियाना की दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की दुकान के बाहर खड़े तीन लोग घायल हो गए। इस दौरान एक युवक की मौका पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गांव धलेके में बुधवार देर रात्रि एक तेज रफ्तार थार गाड़ी बेकाबू होकर करने की दुकान में घुस गई इसी दौरान दुकान के बाहर खड़े तीन लोग गाड़ी की चपेट में आ गए। हादसा इतना भयंकर था कि दो युवकों के घायल होने समेत 24 वर्षीय सुखबीर सिंह निवासी ढलने के की मौका पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने मौका पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू करने के साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में ले लिया है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

सीएम योगी से मुलाकात के बाद दोनों डिप्टी सीएम से मिले संघ प्रमुख मोहन भागवत, सियासी तापमान बढ़ा

लखनऊ, 19 फरवरी [एजेंसी]।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। हालांकि, प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में फेरबदल की चर्चाओं के बीच सीएम व डिप्टी सीएम से संघ प्रमुख की मुलाकात ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। संघ प्रमुख ने दोनों डिप्टी सीएम से बृहस्पतिवार सुबह करीब 10-10 मिनट के लिए मुलाकात की।

इसके पहले, मुख्यमंत्री बुधवार को रात आठ बजे संघ प्रमुख से मिले राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचे। एकांत में दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई। संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी लखनऊ में थे और बुधवार को उनके प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई। मौजूदा समय में प्रदेश की सियासत के स्तर पर होने वाले बदलाव को देखते हुए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। दोनों के बीच मुलाकात को भले ही शिष्टाचार बताया जा रहा है किस लेकिन योगी की बार-बार संघ प्रमुख से होने वाली मुलाकातों को लेकर अटकलों का बाजार गरम है। सूत्रों का कहना है कि इधर बीच जिस तरह से संघ प्रमुख का फोकस यूपी को लेकर दिख रहा है और वह किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने यूपी आ रहे हैं। उससे साफ है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का ताना-बाना बुनने में संघ परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह जब भी यूपी के दौरे पर होते हैं, सीएम योगी की मुलाकात भी होती रही है। यूपी में अगले साल विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इस लिहाज से भी सरकार और संघ के मुखिया की मुलाकात अहम है।

नहर में गिरी कार, महिला समेत तीन की डूबने से मौत

औरैया। यूपी के औरैया जिले के अछल्दा थाना इलाके के तुरुकपुर गांव के नजदीक निकली निचली गंग नहर में एक कार गिर गई। इस भीषण दुर्घटना में एक महिला और दो पुरुषों सहित कुल तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना रात के समय बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के नीचे से निकली नहर में हुई, जब कार इटावा की तरफ जा रही थी। सुबह के समय ग्रामीणों ने नहर में एक कार पड़ी देखी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंकज मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार को नहर से बाहर निकलवाया। कार के अंदर से तीन लोगों के शव बरामद हुए।

अधिसूचित दलहन-तिलहन फसलों का जटगा व कोरबी समिति में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होगी उपार्जन

कोरबा । जिले के किसान अपनी दलहन-तिलहन फसलों को प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियानके अंतर्गत प्राईस सपोर्ट स्कीम के तहत अरहर, उड़द, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन, चना, मसूर, एवं सरसों का विक्रय आदिम जाति सहकारी समिति के माध्यम से कर सकेंगे। जिस हेतु पात्र इच्छुक किसान अपना पंजीयन ''एकीकृत किसान पोर्टल'' के माध्यम से 28 फरवरी 2026 तक करा सकते है।उपार्जन की अवधि मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन हेतु 01 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक, अरहर एवं सरसों के लिए 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 तक तथा चना एवं मसूर के लिए 01 मार्च 2026 से 30 मई 2026 तक आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जटगा एवं कोरबी (पोड़ीउपरोड़ा) में किया जाएगा। उपार्जन हेतु फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित है जिसमें अरहर - 08 हजार रुपए प्रति क्विंटल, मूंग-8768 हजार रुपए प्रति क्विंटल, उड़द-7800 हजार रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली-7263 हजार रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन-5328 रुपए प्रति क्विंटल, चना-5875 रुपए प्रति क्विंटल, मसूर-07 हजार रुपए प्रति क्विंटल एवं सरसों-6200 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है।एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत कृषकों से ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी किया जायेगा। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज-किसान का मोबाईल नंबर, आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका/बी-1 है। अधिक जानकारी हेतु कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी/वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी/अधिसूचित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के समिति प्रबंधक से संपर्क कर सकते हैं।

एसईसीएल की सीएसआर पहल 'कोड सेतु' अंतर्गत छात्रों ने दिखाया टेक्नोलॉजी टैलेंट

कोरबा । साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत संचालित 'कोड सेतु' कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने नवाचार और तकनीक पर आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस पहल के माध्यम से स्कूली छात्रों को कोडिंग और डिजिटल तकनीक की व्यवहारिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय कटघोरा के विद्यार्थियों को तकनीकी विशेषज्ञों और सहयोगी संस्थाओं के मार्गदर्शन में कोडिंग, सॉफ्टवेयर डिजाइन और डिजिटल मॉडल विकसित करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद विद्यालय परिसर में आयोजित प्रस्तुति कार्यक्रम में छात्रों ने अपने तैयार प्रोजेक्ट और सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का प्रदर्शन किया।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी

कोरबा। भारत सरकार के गृह मंत्रालय और जनगणना कार्य निदेशालय छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के कार्य मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी श्री कुणाल दुदावत द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा जारी की गई है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष कोरबा में आयोजित किया जाएगा, जिसका समय प्रतिदिन प्रात: 10.30 बजे से शाम 05.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण दो अलग-अलग सत्रों में क्षेत्रवार संपन्न होगा। प्रथम सत्र के अंतर्गत दिनांक 25 एवं 26 फरवरी 2026 को जिले के समस्त ग्रामीण चार्ज के अधिकारियों, जिनमें कोरबा, करतला, कटघोरा, पाली, पोड़ीउपरोड़ा, भैसमा, बरपाली, दीपका, हरदीबाजार, दर्री, अजगरबहार एवं पसान के सभी तहसीलदार शामिल हैं, को गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।इसी क्रम में, द्वितीय सत्र का आयोजन दिनांक 27 एवं 28 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इसमें समस्त नगरीय क्षेत्र के अधिकारियों, जिनमें नगर पालिक निगम कोरबा के सभी जोन कमिश्नर, नगर पालिका परिषद कटघोरा, दीपका, बाकीमोंगरा के मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा नगर पंचायत छुरीकला एवं पाली के अधिकारियों को सम्मिलित किया गया है।अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी ने समस्त संबंधित चार्ज अधिकारियों और अतिरिक्त चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जनगणना लिपिक के साथ नियत तिथि और समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें। इस प्रशिक्षण के माध्यम से जनगणना की तकनीकी बारीकियों और गणना प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरणों की जानकारी दी जाएगी ताकि जिले में जनगणना का कार्य त्रुटिरहित और समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा सके।

जिले में बकरियों के कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा शुरू, नस्ल सुधार से बढ़ेगी पशुपालकों की आय

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार कोरबा जिले के पशुपालकों व बकरी पालकों के उन्नति, बेहतर रोजगार के साधन उपलब्ध कराने एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उत्तरी छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें ने बताया कि जिले के 15 संस्थाओं में नियुक्त पशु चिकित्सकों और ए.वी.एफ.ओ. को अंबिकापुर में 03 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिलाने के पश्चात अब मैदानी स्तर पर कार्य प्रारंभ किया गया है।इस योजना के तहत केंद्रीय वीरुजालय दुर्ग से प्राप्त जमुनापारी, बारबरी, ब्लैक बंगाल और सिरोही जैसी उन्नत नस्लों के बकरों के सीमेन का उपयोग किया जा रहा है। पूर्व में पाली विकासखंड में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर किए गए 55 कृत्रिम गर्भाधानों से 30 स्वस्थ मेमने प्राप्त हुए हैं, जिससे पशुपालकों में भारी उत्साह है। वर्तमान में जिले की 15 संस्थाओं में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा दिए गए हैं और जल्द ही यह सुविधा सभी विकासखंडों में उपलब्ध होंगी। जिससे बकरी पालक किसानो को अधिकाधिक लाभ मिलेगा। विभाग का लक्ष्य उन्नत नस्लों के माध्यम से स्थानीय पशुपालकों की आय में वृद्धि करना और उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस हेतु सभी विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को मैदानी स्तर पर प्रचार प्रसार एवं पशुपालकों को अधिकाधिक लाभ देने निर्देशित किया गया है।

डिप्टी कलेक्टर तुलाराम भारद्वाज नोडल अधिकारी नियुक्त

कोरबा । छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 दिनांक 22 फरवरी 2026 को पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं अपरांह 03 बजे से 05 बजे तक दो पालियो में आयोजित होगी।

बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए प्रशासन ने बनाए उड़नदस्ते, दी गई जिम्मेदारी

कोरबा । छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा 20 फरवरी से 18 मार्च तक आयोजित होने वाले हाई स्कूल /हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2026 की कुशलता पूर्वक संचालन एवं परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग पर नियंत्रण हेतु आवश्यक तैयारियां की जा रही है। कलेक्टर ने परीक्षा दिवस को केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण हेतु जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल का गठन कर विभिन्न अधिकारी कर्मचारी का ड्यूटी निर्धारित की है। परीक्षा का समय प्रात: 9 बजे से 12.15 बजे तक निर्धारित है। इन परीक्षाओं में नियमित /स्वाध्यायी /पत्राचार के माध्यम से सम्मिलित होने वाले छात्र /छात्राओं की परीक्षा पृथक-पृथक दिनांक को आयोजित होगी।

निर्धारित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल के अंतर्गत दल क्रमांक 01 में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री श्रीकांत कसेर (दल प्रभारी) मोबाइल नंबर 7869096888, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला माचाडोली श्री रामचरण साहू मोबाईल नंबर 8319006898, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला करतला श्री मनीष श्रीवास मो. 9098187982, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कनकी श्रीमती खुषबू सोनी मो. 9617723010 और व्याख्याता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नूनेरा श्रीमती बिनीता सोनी शामिल हैं। इसी प्रकार दल क्रमांक 02 में सहायक संचालक मतस्य श्री कांति कुमार बघेल (दल प्रभारी) मो.7000529575, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नोनबिर्रा श्री संजीव खाखा मो. 9009998510, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नवापारा श्री प्रकाष राठौर मो.9340086556, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पाली श्रीमती तुलिका देवांगन मो. 9179860016, व्याख्याता शासकीय हाई स्कूल सलोरा (ख) श्रीमती तृप्ति गुप्ता मो. 7587138912, दल क्रमांक 03 में सहायक संचालक रेषम श्री बलभद्र भंडारी (दल प्रभारी) मो. 8770575422, व्याख्याता शासकीय हाईस्कूल दादर खुर्द श्री घनष्याम भास्कर मो.9753646952, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कोरबी-धतूरा श्री संजय कुमार साहू मो.7974259189, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला रजगामार श्रीमती कंचन यादव आर्य मो.9589524160, व्याख्याता सेजेस गोपालपुर श्रीमती ललिता पटेल मो.9479159815 दल क्र.04 में सहायक संचालक पषु चिकित्सा डॉ.एस.एम मिश्रा (दल प्रभारी) मो. 9179356723, व्या. शा.उ.मा.शा. रजगामार श्री नीलम कुमार रात्रे मो. 7974146950, व्याख्याता शासकीय हाई स्कूल दादर खुर्द श्री प्रतिपाल गढ़ेवाल मो.8120176322, व्याख्याता शासकीय हाईस्कूल लखनपुर श्रीमती टी.प्रभा मो.9977689725,व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला अजगरबहार श्रीमती नेहा रानी राठौर मो.9098986731, दल क्र.05 में खाद्य अधिकारी श्री घनश्याम सिंह कंवर, (दल प्रभारी) मो. 9425201983, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमि शाला अजगरबहार श्री मानसिंह राठिया मो.9425545256, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला माचाडोली श्री कन्हैयालाल टेकाम मो.7000697241, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैसमा श्रीमती प्रमिला तरूण मो.8770687898, व्याख्याता सेजेस पोंड़ीउपरोड़ा श्रीमती मंजूसा तवंर मो.7987569116 की सम्पूर्ण कोरबा जिले में निरीक्षण हेतु दल के रुप में ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही कार्यपालन अभियंता क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण मण्डल कोरबा श्री प्रषंना सोनकर (दल प्रभारी) मो. 7987860044, सहायक आबकारी अधिकारी कोरबा श्री राकेष राठौर (दल प्रभारी) मो. 9406038000, श्री प्रविन्द्र शेखर पांडे क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मंडल कोरबा (दल प्रभारी) मो. 9685095294, व्याख्याता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया श्री नित्यानंद यादव मो.9644408586, व्याख्याता शासकीय हाईस्कूल दूरपा श्री अरूण चौधरी मो.7974534324, व्याख्याता सेजेस बालको श्री मनोज वैष्णव मो.9754012536, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सेन्द्रीपाली श्रीमती वंदना यादव मो.9753157463, व्याख्याता शासकीय हाईस्कूल सीतामणी प्रियंका गुप्ता मो. 8103748626, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदपुर कुमारी दीपका बघेल मो.7389756345 और व्याख्याता शासकीय हाईस्कूल अमगांव श्रीमती लक्ष्मी पटेल मो.9907149366 की सम्पूर्ण कोरबा जिले हेतु रिजर्व दल के रूप में ड्यूटी लगाई गई है ।उड़नदस्ता दलों को निर्देशित किया गया है कि वे परीक्षा तिथि को प्रात: 8 बजे नोडल/सहायक नोडल अधिकारी के समक्ष जिला कार्यालय में उपस्थित होंगे। निर्धारित रूट अनुसार परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण करेंगे तथा बनाए गये नकल प्रकरण की वस्तु स्थिति की जानकारी परीक्षा प्रभारी को अवगत करायेंगे साथ ही परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग ना हो तथा परीक्षाएं सुचारू रूप से संपन्न हो इसका विषेष ध्यान रखेंगे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों में भर्ती हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

कोरबा । एकीकृत बाल विकास परियोजना कटघोरा अन्तर्गत के आंगनबाड़ी केन्द्र नवापारा क्र. 01(धवईपुर), खोडरी क्र. 02 एवं आंगनबाड़ी केन्द्र ढपढप क्र. 01 में आगंनबाड़ी कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी केन्द्र केसला, रलिया क्र. 03, रलिया क्र.02, ज्योतिषनगर (भिलाई बाजार), तेलसरा क्र. 03, हुंकरा, सोनपुरी एवं नगर पंचायत छुरीकला के वार्ड क्र. 10 एवं 11 के आंगनबाड़ी केन्द्र दुर्गाचौक में रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका की पूर्ति हेतु आवेदन मंगाये गये थे। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कटघोरा ने इस सम्बंध में बताया कि प्राप्त आवेदनों अनुसार प्रावधिक मूल्यांकन प्रत्रक जारी करते हुए कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कटघोरा में सूची चस्पा किया गया है।

इस सम्बंध में अभ्यर्थियों से 24 फरवरी 2026 से 05 मार्च 2026 तक आवेदन मंगाया गया है। अभ्यर्थी निर्धारित अवधि तक कार्यालयीन समय मे परियोजना कार्यालय कटघोरा में दावा आपत्ति जमा कर सकते है। निर्धारित समयावधि पष्चात दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्वामी आत्मानंद आदर्श कॉलेज में वार्षिक उत्सव पर छात्रों ने दी प्रस्तुति, अतिथियों ने बांटे पुरस्कार

कोरबा। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, कोरबा ने बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव मनाया । डॉ. साधना खरे, प्राचार्य स्व. प्यारे लाल कंवर महाविद्यालय, भैंसमा के मुख्य आतिथ्य में गरिमामयी समारोह संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. एल. एन. कंवर के द्वारा की गई। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. डेज़ी कुजूर ने की।

वार्षिक समारोह का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथयों का स्वागत बैज लगाकर एवं पौधे भेंट कर किया गया। महाविद्यालय की अंग्रेज़ी की सहायक प्राध्यपक सुश्री दिव्या पटेल अतिथियों का स्वागत भाषण से अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. साधना खरे ने युवाओं में सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को ध्यान में रखते हुये अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को समझते हुये कार्य करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वार्षिक उत्सव जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. एल. एन. कंवर ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, निरंतर परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उनके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं।

समारोह की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. डेज़ी कुजूर ने इस सत्र में संपादित महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही महाविद्यालय के सफल संचालन के लिये समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सहयोग के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुरस्कार वितरण की श्रृंखला में सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं खेलकूद के विजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अतिथि व्याख्याता शैलष माहेश्वरी एवं अतिथि ग्रंथपाल राजेश साहू को रक्त दान करने के लिये महाविद्यालय के यूथ रेड क्रॉस सोसायटी के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति के लिये महाविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट की गई। कार्यक्रम के अंत में संस्था परिवार की ओर से सभी अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति सुश्री पूजा सिंह सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र ने आभार ज्ञापित किया। अतिथि व्याख्याता आशियां खान एवं मधु यादव के कुशल मार्गदर्शन में बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के छात्र मोहम्मद शामिन जायेद एवं छात्रा चांदनी कौशिल ने सफल मंच संचालन किया। वार्षिकोत्सव आयोजन समिति के सदस्य अतिथि व्याख्याता सुदीप्ता कुंडू, पूनम साहू एवं क्रीड़ा सहायक कविता साहू का विशेष योगदान रहा जबकि तकनीकी कार्यों के लिये अतिथि व्याख्याता नुपीता सेन यादव शैलेश माहेश्वरी एवं राजेश साहू अतिथि ग्रंथपाल ने सक्रिय भूमिका निभायी। इस कार्यक्रम में अशैक्षणिक कर्मचारी संतोष निर्मलकर एवं श्रीमती कमला मानिकपुरी की भी सक्रिय भूमिका रही। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक पूर्ण हुआ।

प्राचार्य साधना खरे ने बताया,जिले में स्वीप कार्यक्रम में हम कर लगातार सहयोग

कोरबा । भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिले के युवाओं को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने हेतु आज 18 फरवरी को सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी सतीश प्रकाश सिंह की उपस्थिति में स्व प्यारे लाल कंवर शासकीय महाविद्यालय भैसमा में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) का गठन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदान के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया।

सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए एस.आई.आर.का महत्व बताया तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले प्रत्येक युवा को एक जागरूक मतदाता के रूप में अपने मतदान केंद्र में अपना नाम पंजीकृत कराने के लिए प्रेरित किये। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताया । उन्होंने इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के गठन के उद्देश्यों को विस्तार से बताया तथा युवाओं से लोकतंत्र की मज़बूती के लिए आगे आकर अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किये।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना खरे ने स्वीप कार्यक्रम की गतिविधियों में महाविद्यालय द्वारा सदैव अग्रणी रूप से सहयोग किये जाने की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की आयोजन टीम का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक दीपेश कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जे. एल. चौहान, सहायक प्राध्यापक जितेंद्र कँवर, डॉ. अनुराधा तिर्की महाविद्यालय स्वीप नोडल अधिकारी सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शपथ लेकर शत-प्रतिशत मतदान और पंजीकरण के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

पाली महोत्सव में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं पर आधारित आकर्षक स्टॉल

कोरबा। पाली महोत्सव 2026 के अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी बसंत मिंज के मार्गदर्शन में एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित एक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक विभागीय स्टॉल स्थापित किया गया। स्टॉल का मुख्य थीम प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पर केंद्रित था, जिसे मॉडल के रूप में सुसज्जित कर प्रदर्शित किया गया। स्टॉल में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रदत्त वित्तीय सहायता, पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं लाभ प्राप्ति की संपूर्ण जानकारी सरल एवं दृश्यात्मक माध्यम से प्रस्तुत की गई।

आगंतुकों ने मॉडल के माध्यम से योजना की प्रक्रियाओं को समझा तथा उपस्थित पर्यवेक्षको से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

स्टॉल में 'वजन त्यौहार' पर केंद्रित विशेष कॉर्नर भी बनाया गया, जिसमें बच्चों के नियमित वजन मापन, कुपोषण की पहचान, ग्रोथ मॉनिटरिंग एवं पोषण परामर्श की जानकारी दी गई। आम नागरिकों, विशेषकर माताओं एवं अभिभावकों ने इसमें विशेष रुचि दिखाई।इसके अतिरिक्त महिला स्व-सहायता समूह द्वारा स्थापित किए जा रहे रेडी टू ईट यूनिट का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आमजनों को सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी वंदन योजना तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा योजनाओं की पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए हितग्राहियों को लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। पाली महोत्सव के दौरान विभागीय स्टॉल के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्टॉल में प्रदर्शित मॉडलों एवं योजनाओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए विभागीय टीम को जनजागरूकता के इस सराहनीय प्रयास हेतु बधाई दी। साथ ही योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने हेतु आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए गए। पाली महोत्सव में लगाए गए इस विभागीय स्टॉल ने न केवल जनजागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी बना। बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने स्टॉल का अवलोकन किया तथा विभागीय पहल की सराहना की।

नाराज वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने कार्यक्रम का किया बहिष्कार

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रबंधन की मेजबानी में गेवरा स्टेडियम में अंतर क्षेत्रीय प्राथमिक उपचार स्पर्धा में अव्यवस्था से नाराज वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य गेट के सामने विरोध जताया।

मंच के सामने रखी कुर्सियां भी खाली रही। बिना टेंट व्यवस्था के खुले में कुर्सियां रखे जाने से धूप के कारण प्रतिभागी टीमों के साथ पहुंचे सहयोगियों ने परिसर में छायादार जगह तलाशते रहे। अव्यवस्था के बीच संपन्न अंतर क्षेत्रीय प्राथमिक उपचार स्पर्धा का भले ही ओवरऑल चौंपियन एसईसीएल गेवरा को हासिल हुआ। लेकिन स्पर्धा की मेजबान कर रही एसईसीएल गेवरा प्रबंधन को वेलफेयर मेंबरों का विरोध का सामना करना पड़ा। एसईसीएल गेवरा स्टेडियम में दो दिवसीय अंतर क्षेत्रीय प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक (एचआर) बिरंची दास और अध्यक्षता एसईसीएल गेवरा एरिया जीएम अरूण कुमार त्यागी ने की।दो दिन तक चली इस प्रतियोगिता की शुरुआत मार्च पास्ट से हुई। इसका नेतृत्व गेवरा परियोजना के रवि बहरा ने किया। प्रतियोगिता में फर्स्ट एड से संबंधित विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई। स्पर्धा में कुल 48 टीमों ने हिस्सा लिया। इन्हें ए, बी और सी तीन श्रेणियों में विभाजित कर प्रतियोगिता संपन्न कराया। एसईसीएल के 13 एरिया के साथ ही 9 निजी कंपनियों की टीम ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर गेवरा टीम ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। वेलफेयर मेंबरों ने कहा कि खिलाडियों को धूप में बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्हें उचित व्यवस्था नहीं मिली। समापन समारोह में कंपनी जेसीसी सदस्य सुजीत कुमार, नाथूलाल पांडे, अजय विश्वकर्मा, गोपाल नारायण सिंह, वी. मनोहर, एके खुल्लर समेत एरिया जेसीसी एवं वेलफेयर के सदस्य उपस्थित रहे। कोयला खदानों में हादसे पर अंकुश लगाने एसईसीएल का समय-समय पर अलग-अलग एरिया की मेजबानी पर इस तरह की प्रतियोगता होती है। इससे खदानों में कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और आपातकालीन स्थिति में प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए मॉकड्रिल से संकट में फंसे कर्मियों के जीवन को बचाने कौशल मजबूत करना है। मगर खदानों में सुरक्षित कार्य का माहौल बनाने पर केन्द्रित एसईसीएल गेवरा की मेजबानी में हुए अंतरक्षेत्रीय उपचार प्रतियोगिता में अव्यवस्था चर्चा का विषय भी रहा।

धूप के कारण मंच के सामने कुर्सियों पर लोग नहीं बैठे।

श्रमिक सम्मेलन में जिले के लोगों को कई करोड़ के चेक का वितरण किया गया सरकार की योजना से

कोरबा। श्रमिकों के सम्मान और उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से कोरबा शहर के टीपी नगर स्थित राजीव गांधी ऑडिटोरियम में श्रमिक सम्मेलन का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।सम्मेलन में श्रमिक कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्रमिकों को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि भी वितरित की गई।इस अवसर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, सभापति नगर निगम श्री नूतन ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रमवीर उपस्थित थे।श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने श्रमिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्रमवीर प्रदेश की रीढ़ हैं। उनके अथक परिश्रम और समर्पण से ही बड़े निर्माण कार्य, अधोसंरचना विकास एवं औद्योगिक प्रगति संभव हो पा रही है। श्रमिकों के खून-पसीने की मेहनत से ही प्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है।मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि श्रमिकों के सम्मान, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में विभाग अंतर्गत श्रमिकों एवं उनके परिजनों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से श्रमिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि श्रमवीरों और उनके परिवार को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देते हुए विगत दो वर्षों में 800 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जा चुकी है।श्रमिकों के लिए आवास निर्माण सहायता, सुरक्षा उपकरण सहायता, महतारी जतन योजना, मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता, नोनी सुरक्षा योजना, नौनिहाल छात्रवृत्ति, श्रमिक सियान सहायता योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ संचालित हैं। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। श्रम मंत्री ने कहा कि श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन, छात्रवृत्ति, गणवेश एवं साइकिल वितरण जैसी सुविधाओं के साथ बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आने वाले श्रमिकों के बच्चों को 1 लाख रुपये की मेधावी छात्रवृत्ति तथा विदेश में अध्ययन हेतु 50 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति का प्रावधान है। उन्होंने श्रमवीरों से अपील की कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन और पारदर्शिता के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। अब योजनाओं की सहायता राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है। आज भी विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में प्रेषित की गई है।मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा श्रमिक बाहुल्य जिला है, यहां बाल्को, एनटीपीसी एवं एसईसीएल जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठान स्थापित हैं। श्रमिकों के हित में वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित है, जिसके अंतर्गत मात्र 5 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। नई औद्योगिक नीति के माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु श्रमेव जयते पोर्टल एवं कॉल सेंटर संचालित है। श्रमिक इन माध्यमों से अपनी शिकायत दर्ज कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। श्रम मंत्री ने उपस्थित सभी श्रमिकों से विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने तथा अन्य श्रमिक साथियों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का सशक्तिकरण ही समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला है।महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूमि में श्रमिकों का योगदान अहम है। उनके बिना विकास की परिकल्पना भी संभव नही है। उन्होंने कहा कि श्रमवीरों एवं उनके परिवार के हित में सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की गई है। उन्होंने श्रमिकों को इन योजनाओं की जानकारी रखने एवं उनका लाभ उठाने का आग्रह किया ।जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन तथा नगर निगम सभापति श्री ठाकुर ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाएँ श्रमिकों के के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं।

अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई : 2 चैन माउंटेन मशीन व 3 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा। अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग की टीम ने 2 चैन माउंटेन मशीन व 3 ट्रैक्टरों को जब्त करने की गई है। साथ ही नियमानुसार उपरोक्त वाहनों के वाहन चालको के ड्राइविंग लाईसेंस निरस्त करने संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

ज्ञात हो कि कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम खपरीडीह एवं तहसील पामगढ़ के ग्राम देवरघटा के क्षेत्र में जांच की गई। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान ग्राम खपरीडीह में अवैध रेत उत्खनन में लगे 1 चैन माउंटेन एवं ग्राम देवरघटा में 1 चैन माउंटेन और 3 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी

नियंतत्रण हेतु जिला स्तरीय उडनदस्ता दल द्वारा लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग की उडनदस्ता की टीम को

सूचना मिली कि बम्हनीडीह ब्लाक के ग्राम पंचायत खपरीडीह एवं पामगढ़ ब्लाक के ग्राम पंचायत देवरघटा स्थित नदी तट किनारे कुछ लोगों के द्वारा अवैध तरीके से वाहनों के माध्यम से खनिज का अवैध उत्खनन व परिवहन कार्य किया जा रहा है। जिस पर कार्रवाई हुई है। इसके पूर्व भी बम्हनीडीह ब्लाक के ग्राम पंचायत पुछेली में रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन पर कार्रवाई हुई थी। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालो के विरूद्ध खान एवं पाम खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही नियमानुसार ल उपरोक्त वाहनों के वाहन चालको के ड्राइविंग लाईसेंस निरस्त करने संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष बनाए गए चूड़ामणि राठौर

जांजगीर चांपा। ग्राम सिवनी के प्रगतिशील किसान, जनपद सदस्य और

बलौदा जनपद पंचायत के संचार, संकर्म समिति के सभापति चूड़ामणि राठौर को भारतीय जनता पार्टी ने सक्ति जिले के किसान मोर्चा का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राठौर को भाजपा किसान मोर्चा का उपाध्यक्ष बनाने जाने पर किसानों में हर्ष है। उल्लेखनीय है कि चूड़ामणि राठौर सिवनी गांव के न सिर्फ प्रगतिशील किसान हैं बल्कि वे गांव के सरपंच, जनपद सदस्य, जल उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। चूड़ामणि राठौर की इस नियुक्ति से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

चिता सिक्योरिटी सर्विस कार्यालय का हुआ उद्घाटन

जांजगीर । विगत 16 फरवरी को जिला मुख्यालय जांजगीर में स्थित राजवीर प्लाजा में निजी सुरक्षा एजेंसी चिता सिक्योरिटी सर्विस कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

एजेंसी के डायरेक्टर के एस कंवर ने बताया कि हमारा उद्देश्य शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार दिलाना एवं लोगों को सुरक्षा प्रदान करना प्रमुख है इसके लिए कम से कम 10 वीं पास होना जरूरी है बाकी प्रकिया शासन के गाईड लाईन के अनुसार होगा । कार्यक्रम में एजेंसी के मैनेजर विजय कुमार राज, एस एस आर स्वादू संरक्षक के साथ साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में डी एल कटकवार से नि जिला जज, बी एस सिदार से नि तहसीलदार, आर के थवाईत अध्यक्ष पेंशनधारी संघ, आर एस क्षत्रिय से नि इंजीनियर, अशोक राठौर के सी राठौर, संतोष राठौर बतौर मेहमान के रूप में उपस्थित थे । सभी ने एजेंसी के इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इसे समय की मांग के रूप में अनिवार्य बताया आभार प्रदर्शन एजेंसी के डायरेक्टर के एस कंवर ने किया। उपस्थित अतिथियों ने सिक्योरिटी सर्विस के संदर्भ में अनेक सुझाव दिए। अतिथियों ने कहा कि जांजगीर शहर में चिता सिक्योरिटी सर्विस का कार्यालय खुल जाने से अब लोगों को सुरक्षा हेतु सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से सुरक्षा मिल जाएगा इससे शहर में अनवरत हो रही चोरी की घटना में भी कमी आएगी। चीता सिक्योरिटी सर्विस के संचालक कंवर ने कहा कि हम किसी भी एजेंसी एवं कंपनी को सिक्योरिटी गार्ड उपलब्ध करने के अलावा दो दिन चार दिन एक माह आदि समय के लिए भी सिक्योरिटी गार्ड उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने बताया कि उनकी यह सिक्योरिटी सर्विस वर्तमान में रायगढ़,कोरबा,बिलासपुर, जांजगीर चांपा सहित पांच जिलों में संचालित है जो पूरे विश्वास के साथ लोगों को सुरक्षा मुहैया कराने कटिबद्ध हैं।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में फाल्गुन महोत्सव 26 से

सक्ती। शहर के श्री राधा कृष्ण मंदिर में 26 और 27 फरवरी को फाल्गुन ग्यारस महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम श्री श्याम परिवार, श्री राधाकृष्ण मंदिर सेवा समिति और महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में होगा। आयोजन समिति के अनुसार 26 फरवरी की शाम 4.30 बजे से श्याम नाम की मेहंदी कार्यक्रम नृत्य नाटिका के साथ होगा। इसके बाद 27 फरवरी की सुबह 9 बजे भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा श्री राम मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री राधा कृष्ण मंदिर पहुंचेगी।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मेगा प्रदर्शनी का आयोजन आज से

जांजगीर-चांपा। जिले के पुलिस परेड ग्राउंड खोखरा जांजगीर में 19 से 21 फरवरी तक प्रगतिशील छत्तीसगढ़ 2026 नामक राज्यस्तरीय %मेगा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। 19-फरवरी को सुबह 11 बजे सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े और छग विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, खनिज आयोग के अध्यक्ष सौरभसिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अम्बेश जांगडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी, नपाप अध्यक्ष श्रीमती रेखा गढेवाल, चाम्पा नपाप अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, जांजगीर जिलाधीश जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय पाण्डेय, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विक्रम भगत सहित अन्य प्रमुख अतिथिगणों के उपस्थित में प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह प्रारंभ होगा। दिल्ली के फेंड्स एग्जिबिशन एवं प्रमोशन के चेयरमेन आनंद पाल और प्रोजेक्ट हेड श्रीमती अखिला श्रीनिवासन ने बताया कि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ 2026 में केंद्र सरकार के 35 से अधिक विभिन्न विभागों के और केंद्र और राज्य के 40 से अधिक विविध उपक्रमों के स्टाल लगेंगे। इस मेगा प्रदर्शनी में कृषि एवं कृषि तकनीकए विज्ञान एवं + अनुसंधानए रक्षा एवं सुरक्षा, कौशल विकास एवं शिक्षा, ग्रामीण विकासए स्वरोजगार, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, उद्योग एवं व्यापार के साथ. साथ कोयलाए खनन एवं इस्पात क्षेत्र से जुड़े नवाचारों और योजनाओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य जांजगीर सहित पूरे क्षेत्र की विकास क्षमता को एक सशक्त मंच प्रदान कर तथा जन. जागरूकताए नवाचार, निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है। यह आयोजन राज्य सामाजिक आर्थिक विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगा।

ट्रैक्टर से टकराई बाइक, दो की मौके पर मौत

नवागढ़। नवागढ़ थाना के पास मंगलवार की रात सड़क किनारे बिगड़ी हालत में खड़े ट्रैक्टर से बाइक में सवार दो युवक टकरा गए। इससे मौक पर ही दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार की सुबह शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराया और शव को परिजनों को सौंप दिया है। नवागढ़ पुलिस के मुताबिक एक ट्रैक्टर पंक्चर हालत में थाना से कुछ दूर पर सड़क किनारे खड़ा था। ट्रैक्टर का चालक वाहन में आई खराबी को दूर कर रहा था। इसी दौरान बाइक में सवार दो युवक करण कश्यप पिता धरम लाल 18 निवासी नवागढ़ एवं उसका साथी कार्तिक कश्यप पिता मनोज कुमार 19 साल निवासी सिंधुल दोनों खड़े ट्रैक्टर से इतनी जोरदार टकराए कि मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौक पर से शव को उठवाया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में जुटी है।

जेईई मेंस सेशन -1 में जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

जांजगीर चांपा। जे ई ई मेंस 2025 -26 सेशन 1 परीक्षा के लिए कुल 1355293 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन किया था। परीक्षा में कुल 1304653 छात्र शामिल हुए । जे ई ई मेंस के उम्मीदवारों के परिणाम एनटीए ने जारी कर दिए हैं। जिसमें जांजगीर जिले के हरिराम गट्टानी मेमोरियल जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर के निखिल कश्यप ने 92.48 परसेंटाइल, चंद्रशेखर साहू 91.01 परसेंटाइल, ज्ञानेश साहू 90.49 परसेंटाइल स्कोर किया है। इसके साथ ही आईआईटी में प्रवेश के लिए पहली सीढ़ी पार कर ली है ।वह रोजाना आठ नौ घंटे की पढ़ाई करते थे तथा विद्यालय प्रबंधन द्वारा उनके लिए

विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था की गई थी ।समय-समय पर उनके उलझन व दुविधाओं को सुलझाने के लिए विद्यालय के विषय अंतर्गत शिक्षकों द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया जाता रहा है। ताकि उनकी तैयारी में किसी भी प्रकार की कमी ना रह जाए। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धनजल मैम द्वारा समय-समय पर उन्हें उचित सुझाव दिया जाता रहा है, ताकि वे अपने लक्ष्य तक आसानी से पहुंच सके, विद्यार्थी बचपन से ही मेघावी रहे हैं, विद्यार्थी अब जे ई ई एडवांस की तैयारी में जुटे हुए हैं और अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरी मेहनत व निष्ठा से तैयारी कर रहे हैं बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत, लगन तथा विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं, प्रबंधन व अभिभावक का उचित मार्गदर्शन को बताया है विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थीयों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गई ।

बाराद्वार में विद्यार्थी परिषद की नई नगर कार्यकारिणी का हुआ गठन

बाराद्वार । भारतीय विद्यार्थी परिषद जांजगीर -चांपा के द्वारा बाराद्वार में नवीन नगर कार्यकारिणी का गठन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एबीवीपी के जिला विद्यार्थी विस्तारक ताम्रध्वज साहू एवं जिला संयोजक उदय पाण्डेय उपस्थित रहे। अतिथियों ने संगठन की विचारधारा, राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका तथा संगठन विस्तार की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। ताम्रध्वज साहू ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी से अपेक्षा व्यक्त की कि वे शिक्षा, संस्कार और संगठन के मूल्यों को आत्मसात करते हुए क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करेंगे। जिला संयोजक उदय पांडे ने संगठन की आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छात्रहित के मुद्दों को लेकर परिषद सदैव सक्रिय रहेगी और बाराद्वार क्षेत्र के विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेगी। नवीन कार्यकारिणी में नितेश साहू को बाराद्वार का नगर मंत्री बनाया गया है, वही सह मंत्री की जिम्मेदारी वंशिका शर्मा, सोम राठौर, सौरभ साहू, सोमेश चंद्रा को दी गई है। एसएफएस संयोजक मनीष बरेठ, सह प्रमुख तुलेश्वर साहू, एसएफडी संयोजक संस्कार वैष्णव, सहसंयोजक हिमांशु राठौर, राष्ट्रीय कला मंच संयोजक दिव्या एवं सहसंयोजक कुमारी श्रद्धा बनी है। सोशल मीडिया संयोजक अकित बरेठ, सहसंयोजक अनीश यादव, नगर विद्यालय संयोजक मिथेस बरेठ, विद्यालय सहसंयोजक प्रकाश एवं हितेश बरेठ को बनाया गया है खेलो भारत संयोजक मोचन राठौर वर्षा संयोजक निखिल बरेठ, कार्यालय व्यवस्था प्रमुख साहिल बरेठ को जिम्मेदारी दी गई है वही नगर कार्यकारिणी सदस्यों में तुषार पैकरा, मनीष यादव, योगेश यादव, विशाल बरेठ, कार्तिकश सिंह, शुभम बरेठ, अंकित बरेठ, समीर सूर्यवंशी, रिकेश साहू फलेश्वर पंकज सोनू एवं वरुण व साहिल यादव बनाए गए हैं। ग्रीन फील्ड विद्यालय प्रमुख भोलादास बनाए गए हैं।

रायगढ़ वन विभाग की सूचना पर 10 से 12 ट्रक खैर व तेंदू की लकड़ी जब्त

जांजगीर-चांपा। जिले में 3 साल से बेशकीमती लकड़ी की तस्करी हो रही थी। इधर वन विभाग के जिम्मेदार अफसरों को जानकारी ही नहीं थी। 3 साल से दूसरे जिले से खैर व तेंदू की लकड़ी पहुंच रही है। इधर वन विभाग के अधिकारी गंभीर नींद में हैं। दफ्तर से निकलने फुर्सत ही नहीं है। रायगढ़ वन विभाग की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 से 12 ट्रक खैर व तेंदू की लकड़ी जब्त की गई। अगरसूचना नहीं देते तो शायद यह कार्रवाई भी नहीं होती। ज्ञात हो कि पहले पेड़ों को सूखाने और फिर उसे काटकर चोरी कर लेने का काम लकड़ी तस्करों द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है। ये सब काम फॉरेस्ट अफसरों के नाक के नीचे से हो रहा है लेकिन वे चैन की नींद ले रहे हैं। तस्कर बेशकीमती पेड़ों को सूखाने के लिए पहले उसकी छाल को छिल देते हैं। जिले में सागौन सहित अन्य पेड़ों की कटाई भी धड़ल्ले से हो रहा है। ऐसे में पेड़ सूख जाता है। कुछ दिन बाद जब पेड़ सूख जाते हैं तो तस्कर बड़ी आसानी से काटकर इन्हें ले जाते हैं। लंबे समय से यह खेल लकड़ी तस्करों द्वारा खेला जा रहा है लेकिन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौन साधे हुए हैं। वर्तमान में दूसरे जिले से बेशकीमती लकड़ी का तस्करी किया जा रहा है। रायगढ़ में जिले से खैर व तेंदू की लकड़ी का 3 साल से तस्करी हो रही थी। लेकिन जिले के वन विभाग के अफसरों को भनक

तक नहीं लगी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है, वे अपने कार्य को किस तरह अंजाम दे रहे है। केवल दफ्तर में बैठकर कुर्सी तोड़ रहे हैं। उनको बाहर निकलने की फुर्सत ही नहीं हैं। मंगलवार को नवागढ़ विकासखंड के गांव भादा में बड़ी कार्रवाई की गई।

दूसरे दिन कोई कागजात नहीं कर सके प्रस्तुत

बुधवार वन विभाग की टीम पहुंची तो लकड़ी तस्कर सरसीवा निवासी मनीष अग्रवाल को वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा। जिस पर मनीष द्वारा को दस्तावेज प्रस्तुत करने की बात कही गई थी। लेकिन बुधवार को कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इससे स्पष्ट है कि उसके पास इनका कोई वैध दस्तावेज ही नहीं है। बड़ा सवाल यह भी उठता है कि सरसीवा निवासी जिले के एक गांव में किराए के मकान लेकर इतना बड़ा तस्करी का काम कैसे कर रहा था। आखिर इसका मास्टरमाइंड कौन है।

यह बड़ी कार्रवाई रायगढ़ वन विभाग की सूचना पर हुई। वन विभाग की टीम पीछे करते हुए जांजगीर पहुंची और जानकारी दी गई। इतना बड़ा तस्करी चल रहा थी। साथ ही लकड़ी को यहां गोदाम में रखकर कटाई छंटाई करने के बाद विदेश तक सप्लाई करने की बात कही जा रही है। माने इनका नेटवर्क विदेशों तक है। वन माफियाओं द्वारा किए जा रहे इस गोरखधंधे की जानकारी विभागीय अधिकारियों को नहीं थी।

सार्वजनिक संपत्ति नुकसान को लेकर किसान ने की शिकायत

जांजगीर-चांपा। नहर एवं बारिश पानी निकासी एवं सड़क में निर्मित पुल को तोड़कर सार्वजनिक संपत्ति नुकसान पहुंचाने के मामले में पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ किसान ने शिकायत की है। मिली जानकारी के अनुसार सक्ती जिले के ग्राम जर्वे-सुंदरेली भारत पेट्रोलियम कंपनी द्वारा पेट्रोल पंप का संचालन किया जा रहा है। उक्त पेट्रोल पंप के पास ग्राम जर्वे निवासी भुवनलाल श्रीवास का कृषि भूमि है। जिसे क्रय किया गया है। इस भूमि के आसपास बारिश एवं नहर का पानी बड़ी मात्रा में बहकर आता है। जिसे पेट्रोल पंप संचालक द्वारा नहर एवं बारिश का पानी अवरूद्ध करते है। जिसके कारण किसानों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पेट्रोल पंप संचालक द्वारा सड़क में निर्मित पुल को तोड़कर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर किसान भुवनलाल श्रीवास ने सक्ती कलेक्टर से शिकायत करते हुए मामले पर त्वरित कार्रवाई की है। शिकायत की प्रतिलिपि राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, सचिव कृषि विभाग, - सचिव जल संसाधन, सचिव लोक निर्माण, तहसीलदार बाराद्वार एवं सक्ती एसडीएम को भेजी गई है। इस शिकायती पत्र के माध्यम से किसान ने इस पर कार्रवाई की मांग की है। किसान का कहना है कि निकासी अवरूद्ध करने के कारण करीब 250 किसानों के फसलों को नुकसान भी पहुंचा है।

परसदा, डोटमा सड़क निर्माण की राशि के गबन के आरोप में घिरे जिम्मेदार

सड़क निर्माण का काम अधूरा छोड़ गायब हुआ ठेकेदार, चलना दूभर

जांजगीर चांपा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत परसदा से डोटमा तक 3.25 किमी पक्की सड़क का निर्माण होना है। इसके लिए हिल ब्रो मेटालिक्स एवं कंस्ट्रक्शन कंपनी रायगढ़ को यह ठेका दिया गया था, लेकिन करीब दो साल से निर्माण कार्य ठप पड़ा हुआ है। ठेकेदार ने सड़क पर कुछ भी कार्य नही किया है। गर्मी में सड़क पर पानी नहीं डाले जाने से धूल और डस्ट से राहगीरों का इस रोड पर चल पाना मुश्किल हो गया है। लोगों को आने जाने में काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है। लेकिन जिम्मेदारों को लोगों की परेशानी से कोई मतलब नही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार केवल सूचना बोर्ड लगाकर बीते वर्षों से गायब है। इसके बाद भी अधूरे निर्माण कार्य को लेकर जिम्मेदार अधिकारी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है और जिम्मेदार अधिकारी के कार्यशैली पर भी कई सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों द्वारा मार्ग में डामरीकरण व चौड़ीकरण करने के लिए लंबे समय से मांग करते आ रहे थे। अब जब सड़क निर्माण की मंजूरी ठेकेदार हिल ब्रो मेटालिक्स कम्पनी को मिली है तो उसने केवल सूचना बोर्ड लगाकर निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार एवं इंजीनियर एवं विभागीय अधिकारी इन सभी ने सड़क निर्माण के राशि का गबन कर लिया है इसलिए निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। अब देखना होगा कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे मामले में क्या कार्रवाई करते हैं या फिर अन्य मामलों की तरह इसे भी रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता है।

श्रीमद् भागवत शुभारंभ, शोभायात्रा निकाली गई

जांजगीर। ग्राम पुटपुरा (गांजरपारा) में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। सुबह गांव की महिलाओं एवं युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर सजे कलश धारण कर पूरे ग्राम में शोभायात्रा निकाली। भजन-कीर्तन, शंखनाद और

जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा कथा स्थल गोजर पारा से प्रारंभ होकर ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः पंडाल पहुंची, जहां विधि-विधान से वेदी पूजन एवं भागवत महात्म्य के साथ कथा का शुभारंभ किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कथा वाचन आचार्य राधेश्याम शास्त्री के श्रीमुख से किया जा रहा है। प्रथम दिवस उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत श्रवण से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है और भक्ति मार्ग से ही आत्मकल्याण संभव है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से सातों दिन कथा श्रवण कर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया। यह सात दिवसीय धार्मिक आयोजन 25 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से होगा।

पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग

जांजगीर। पिछड़ा वर्ग विकास संगठन के नेतृत्व में बुधवार को यूजीसी समानता कानून लागू करने और पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं सैकड़ों ओबीसी बंधुओं ने एसडीएम जांजगीर को केंद्र और राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।

धरने का उद्देश्य राज्य और केंद्र सरकार से पिछड़ा वर्ग के लंबित आरक्षण को शीघ्र लागू करने और समानता कानून के तहत यूजीसी का पालन सुनिश्चित करने की मांग करना था। प्रदेश अध्यक्ष संतोष यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है और अब राज्य सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाना अनिवार्य है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ के सचिव हरप्रसाद साहू, द्वारिका प्रसाद यादव, हेत्तराम यादव, संग्राम सिंह यादव, सदीप यादव, भगेला राम कश्यप, किरण कुमार जग्गा, दिलहरन पटेल, पुनिराम पटेल, नीलम यादव, प्रभा साहू, सीता साहू सहित सैकड़ों ओबीसी बंधु उपस्थित रहे। मंच का संचालन रामकुमार पटेल ने किया। ज्ञापन में मांग की गई कि केंद्र और राज्य सरकार पिछड़ा वर्ग के लंबित आरक्षण को लागू करने के साथ ही उच्च शिक्षा में समानता और अवसर सुनिश्चित करने के लिए यूजीसी समानता कानून का कड़ाई से पालन करें। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को और व्यापक रूप देने के लिए तैयार हैं। धरने और ज्ञापन सौंपने के दौरान उपस्थित नागरिकों ने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज के युवाओं को समान अवसर और आरक्षण के अधिकारों से वंचित करना अन्यायपूर्ण है।

गर्मी बढ़ेगीः 24 घंटे में पारा 2 डिग्री बढ़ने के बने आसार

जांजगीर। बुधवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री व न्यूनतम तापमान 16 डिग्री रहा। मंगलवार की तुलना में अधिकतम व न्यूनतम तापमान स्थिर रहा। दो दिशा से हवा आने से लोगों को सुबह ठंड और दोपहर में गर्मी का अहसास हुआ। ऐसी स्थिति पिछले कई दिनों से है। हालांकि 20 फरवरी तक अधिकतम व न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री का इजाफा हो सकता है।

दरअसल उत्तर दिशा से ठंडी के बजाय दक्षिण दिशा से नमीयुक्त हवा ज्यादा मात्रा में आने से यह स्थिति बनने का अनुमान है। 72 घंटे में दिन का पारा 33 डिग्री के आसपास रहने से दोपहर में गर्मी व उमस बर्दाश्त करनी होगी। सूर्योदय के साथ ही तेज धूप व गर्मी बढ़ने लगी है।

बोर्ड परीक्षा के लिए जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया

जांजगीर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष का आयोजन हाई स्कूल परीक्षा 20 फरवरी और हायर सेकेण्डरी परीक्षा 21 फरवरी 26 से 18 मार्च तक किया जा रहा है। जिले में बोर्ड परीक्षा के सफल संचालन के लिए 75 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। मुख्य परीक्षा के दौरान विषम परिस्थिति के समाधान, परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी, निरीक्षण एवं आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

अनमोल वचन......

जिंदगी हमें सिखाती है कि अगर शांति चाहिए तो दूसरों की शिकायत करने से बेहतर है खुद को बदल लो।

भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर

भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी आर्थिक जटिलता सूचकांक पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। जो देश मैनुफैक्चरिंग की विविधापूर्ण एवं बारीक क्षमताएं विकसित करते हैं, उनका तेजी से विकास होता है। ये निष्कर्ष हार्वर्ड ग्रोथ लैब का है। अमेरिका के मशहूर हार्वर्ड केनेडी स्कूल से संबंधित ये अध्ययन केंद्र ने विभिन्न देशों की उत्पादक क्षमता को मापते हुए आर्थिक जटिलता सूचकांक (ईसीआई) तैयार करता है। उसका दावा है कि इस पैमाने से विकास की रफ्तार का किसी अन्य पैमाने की तुलना में अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। लैब अपने सूचकांक के आधार पर इस नतीजे पर है कि अगले दशक में प्रति व्यक्ति आर्थिक वृद्धि का अग्रणी देश वियतनाम होगा।

यानी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका चीन इस मामले में वियतनाम से पीछे रहेगा। संस्था का निष्कर्ष है कि अगले दस साल तक वैश्विक ग्रोथ का नेतृत्व पूर्वी एशिया के हाथ में बना रहेगा। ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविध तो है, लेकिन उच्च-तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है। इस सूचकांक में भारत को ऊपर चढ़ना है, तो उसे उच्च मूल्य वाले और तकनीकी रूप से परिष्कृत वस्तुओं के उत्पादन की क्षमता विकसित करनी होगी। भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी ईसीआई पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। ईसीआई में मुख्य ध्यान ज्ञान एवं उच्च उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित है। इन्हें किसी देश में उत्पादक ढांचे के विकास का सबसे अहम हिस्सा माना गया है। ये रिपोर्ट एक आईना है, जिससे पता चलता है कि दुनिया विकास कथाओं को किन कसौटियों पर देख रही है। भारतवासियों को इसमें अपना चेहरा जरूर देखना चाहिए।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर थोड़े उलझन में रहेंगे। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छाएं जागृत होंगी। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिस्थिति के अनुसार अपना व्यवहार रखें। इस राशि के छात्रों आज किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फार्म भरने का मन बनायेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में तरक्की होनी तय है। इस राशि की महिलाएं नए कपड़े खरीदने के लिए शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। आप किसी काम में अच्छी परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग कर सकते हैं। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां आपको मिलेंगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दांपत्य रिश्ते में नई ताजगी महसूस करेंगे। आज पहले किये हुए किसी कार्य का लाभदायक परिणाम मिलाने से आपको खुशी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों आज जन संपर्क कर सकते हैं। आज आप महत्वपूर्ण काम पूरा करने में सफल होंगे, जो भविष्य में आपको बड़ा फायदा देने वाला रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आपकी सारी इच्छाएं पूरी होगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। लवमेट के साथ शादी फिक्स हो सकती है। दोस्तों के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बन सकता है।

सिंह राशिः आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके मन में बहुत-सी सकारात्मक भावनाएं आयेंगी। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। बेहतर होगा आज सामानों की लिस्ट बनाकर ही बाजार जाएं। इस राशि के छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी नये कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन सुनहरे पल लेकर आया है। आज परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं। काम करने में आसानी होगी। शाम को बच्चों के साथ समय बिताने पर आप राहत महसूस करेंगे। आज आप अपने दोस्तों के साथ गोल्फ खेलने जा सकते हैं। इम्युनीटी सिस्टम को बढ़ाने के लिए आप योगा कर सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। बिना वजह घर के किसी सदस्य पर गुस्सा न करें। आज आपको किसी अपनों से धन की प्राप्ति होगी। किसी नए काम की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ करें, लेकिन प्रयत्न में सतर्कता भी रखें। आज घर और काम में संतुलन बनाए रखेंगे। किसी व्यक्ति के प्रति चल रही नकारात्मक थिंकिंग आज समाप्त हो जायेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। आप अपनी कड़ी मेहनत और सकारात्मक व्यवहार के जरिए कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने में सफल होंगे।

धनु राशिः आज का दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के राजनीतिक नेताओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आप लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं। आज किसी कार्य में आ रही समस्याएं समाप्त हो जाने से कार्य तय समय पर पूरा हो जाएगा। लोगों का विश्वास आपके ऊपर बना रहेगा। जरूरतमंद को खाना खिलाने से आपका मन खुश रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में नई नई खुशियां आएंगी।

मकर राशिः आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज सोचा हुआ काम पूरा हो जाने से आपको प्रसन्नता होगी। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं। किसी नजदीकी रिश्तेदार के आने से घर में खुशियों का माहौल रहेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का ट्रांसफर आज उनके मन पसंद जगह पर होगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस में नये प्रयोग करने में आप सफल होंगे। आज आप जो भी सोचेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। पहले किये गये कामों से भी आज बेहतर परिणाम प्राप्त होगा। अधिकारी वर्ग आपके काम की तारीफ करेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े काम आज पूरे हो सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में अनुकूल परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके वैवाहिक जीवन में नई-नई खुशियां आएंगी। जीवनसाथी आज आपके भावनाओं की कद्र करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन कॉन्फिडेंस के साथ शुरू होगा। कार्यस्थल पर लोगों द्वारा प्राप्त हो रही जानकारी का इस्तेमाल अपने काम को बेहतरीन बनाने के लिए करने की आवश्यकता है। आज का दिन बाहर घूमने-फिरने में बीतेगा। परिवारवालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बना सकते हैं, सभी सदस्यों में उत्साह बना रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है।

शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव

//अजीत द्विवेदी//

यह संयोग नहीं है कि करीब तीन साल तक आधा दर्जन से ज्यादा पिछड़ी जाति के नेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की चर्चा करने के बाद भाजपा ने अगड़ी जाति के नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उसके बाद यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर ऐसा नियम पेश किया, जिसके खिलाफ पूरा सवर्ण समाज आंदोलित हुआ। यह भी संयोग नहीं है कि एक शंकराचार्य को माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन स्नान से रोका गया और 11 दिन के अनशन के बाद भी किसी ने अनशन समाप्त कराने का प्रयास नहीं किया। उलटे शंकराचार्य की साख बिगाड़ने और उनके पट्टाभिषेक को विवादित साबित करने वाले काम हुए।

शंकराचार्य को मेला प्रशासन ने नोटिस देकर उनकी पदवी के बारे में सफाई मांगी और दूसरी नोटिस में उनको धमकाया कि जमीनें ले ली जाएंगी और सुविधाएं छीन ली जाएंगी। हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी अगर हिंदू धर्म की धार्मिक व आध्यात्मिक परंपरा के शिखर पर बैठे चार में से एक शंकराचार्य को धमकी दे रही है तो वह अनायास नहीं हो सकता है।

संभव है कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ रविवार, 18 जनवरी को जो घटना हुई वह अचानक हो गई हो। वे पालकी से स्नान के लिए जा रहे थे और भीड़ बहुत होने की वजह से उनको रोका गया हो। लेकिन उसके बाद जो कुछ भी हो रहा है वह एक राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। ऐसा लग रहा है कि शंकराचार्य से पुरानी बातों और उनके बयानों का बदला लिया जा रहा है और उस पद के महत्व को हमेशा के लिए समाप्त किया जा रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर विवादित बयान देते रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके विवादित बयानों से अछूते नहीं रहे हैं। उन्होंने पिछले साल प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ और लोगों की मौत को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ की सरकार को भी कठघरे में खड़ा किया था। ध्यान रहे भारत में शंकराचार्य का पद कभी भी ईसाई धर्म के वेटिकन के पोप की तरह या इस्लाम धर्म के मौलानाओं, शाही इमामों या खलिफाओं की तरह नहीं रहा है। वे हिंदू धर्म के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं जारी करते हैं और उनके प्रति सम्मान का भाव रखने वाला हिंदू समाज भी उनके हिसाब से अपना जीवन चलाने के लिए बाध्य नहीं होता है। वे सनातन की आध्यत्मिक परंपरा के सर्वोच्च प्रतिनिधि होते हैं। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत का जो सिद्धांत दिया वे उसका प्रतिनिधित्व करते हैं और भारत के एक राष्ट्र राज्य के तौर पर उभरने से पहले शंकराचार्य द्वारा निर्धारित की गई भौगोलिक सीमा के चारों कोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस लिहाज से उनका अपना महत्व है।

शंकराचार्यों की बातों को हिंदू जीवन पद्धति में हस्तक्षेप के तौर पर कभी नहीं देखा गया लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ शंकराचार्यों और अन्य धर्मगुरुओं या कथावाचकों का राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ा है। अपने समर्थकों या प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने के लिए वे लोकप्रिय भावना के अनुरूप बयानबाजी करने लगे। इसमें कथावाचक और धर्म को कारोबार बनाने वालों ने तो सहज रूप से सबसे शक्तिशाली दल और सरकार के समर्थन में बोलना शुरू कर दिया लेकिन आध्यात्मिक परंपरा का पालन करने वाले शंकराचार्यों ने ऐसा नहीं किया।

तभी जब सौंदर्यीकरण के नाम पर मंदिर तोड़े गए तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर दी या जब अयोध्या में राममंदिर संपूर्ण नहीं हुआ था, उसका शिखर नहीं बना था, उस पर ध्वजा नहीं फहराई गई थी तो चारों शंकराचार्य उसके उद्घाटन में शामिल होने नहीं गए। हो सकता है कि इससे राजसत्ता में नाराजगी हुई हो। राजसत्ता ने धर्मसत्ता को अपने लिए चुनौती की तरह देखा हो और अविमुक्तेश्वरानंद के पुराने राजनीतिक बयानों को आधार बना कर उनके बहाने शंकराचार्य की समूची व्यवस्था की साख बिगाड़ने और उसका महत्व कम करने का प्रयास किया जा रहा हो।

यह भी हो सकता है कि प्रयागराज में माघ मेले में हुई घटना के बहाने सबक देने की कोशिश हुई हो ताकि आगे यह सुनिश्चित किया जा सके कि धर्मसत्ता कभी भी राजसत्ता का विरोध न करे। शंकराचार्य इस बात को समझ रहे हैं तभी धीरे धीरे बाकी तीन शंकराचार्यों, द्वारिका की शारदा पीठ के सदानंद जी महाराज, पुरी की गोवर्धन पीठ के स्वामी निश्चलानंद जी महाराजा और श्रृंगेरी पीठ के स्वामी भारती तीर्थ जी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। पहले अगर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक को लेकर कुछ संशय था तो उसे दरकिनार करके तीनों शंकराचार्य उनके समर्थन में उतरें हैं।

ध्यान रहे शंकराचार्य का चयन शंकराचार्य ही करते हैं। उसके बाद ज्यादा से ज्यादा यह होता है कि बाकी शंकराचार्य उसका समर्थन करें। इस लिहाज से अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति विवादित नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि उनके गुरू और शारदा पीठ व ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने उनकी नियुक्ति की थी। ज्योतिषपीठ विवाद में इसलिए फंसा क्योंकि स्वरूपानंद सरस्वती दो पीठों के शंकराचार्य थे। सवाल उठाया गया कि एक व्यक्ति दो पीठ का शंकराचार्य नहीं हो सकता है। इसी तरह से यह भी परंपरा है कि कोई भी पीठ खाली नहीं रहेगी। सो, अगर अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं माना जाए तो क्या तीन साल से ज्यादा समय से ज्योतिषपीठ खाली है। बहरहाल, सरकार को इन तमाम बातों की जानकारी है। इसके बावजूद शंकराचार्य से जुड़े विवाद को बढ़ने दिया गया और उनको ससम्मान स्नान करा कर विदा करने और विवाद समाप्त करने की बजाय उनको धमकाया गया। सोचें, जो सरकार या जो पार्टी हत्या और बलात्कार के दोषी ठहराए गए या आरोपी बनाए गए कथावाचकों व कथित संतों को समस्त सुविधाएं देती हो वह एक शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव करे तो क्या इसे सामान्य घटना मान सकते हैं। असल में देश हजारों की संख्या में जो कथावाचक पैदा हुए हैं या कथित साधु, संत, बाबा, महामंडलेश्वर पैदा हुए हैं उनका स्वार्थ है। वे ज्यादा से ज्यादा शिष्य या श्रोता बनाने के लिए काम करते हैं और पैसे कमाने, राजनीति को प्रभावित कर सकने वाली हस्ती बनाने और तमाम भौतिक सुख सुविधाएं हासिल करने के लिए काम करते हैं। इनमें कुछ अपवाद भी होंगे लेकिन ज्यादातर ऐसे ही हैं। ऐसे लगभग सभी लोग भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करते हैं और दिन रात प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्रियों का गुणगान करते हैं। शंकराचार्य ये काम नहीं करते हैं और न कर सकते हैं। वे धर्म, आध्यात्म और समाज से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाते हैं, जिससे सरकार असहज होती है।

तभी अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने शंकराचार्य के पद की प्रतिष्ठा को समाप्त किया जा रहा है। उनकी जगह कथावाचकों व अनाप शनाप बयानबाजी करने और हिंदू मुस्लिम नैरेटिव को बढ़ाने का काम करने वाले कथित साधु संतों का महिमामंडन किया जा रहा है। एक बारीक बात यह है कि शंकराचार्य पारंपरिक रूप से ब्राह्मणवादी व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस तरह से यूजीसी के नए नियमों का मकसद पिछड़ी जातियों को एक संदेश देना है उसी तरह शंकराचार्य को टारगेट करके भी पिछड़ी जातियों को संदेश दिया जा रहा है कि सरकार पारंपरिक ब्राह्मणवादी व्यवस्था को समाप्त कर रही है।

असल में भाजपा को लग रहा है कि कांग्रेस, सपा, राजद जैसी विपक्षी पार्टियां 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा देकर अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी आबादी को अपने साथ जोड़ रही हैं। विपक्ष का यह वोट अपनी ओर करने की दीर्घकालिक योजना के तहत भाजपा नए प्रयोग कर रही है। वह कुछ आगे बढ़ेगी और कुछ पीछे हटेगी लेकिन यह प्रयोग चलेगा। उसको लग रहा है कि अंत में सवर्ण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा कोई चारा नहीं होगा। इसलिए वह एससी, एसटी और ओबीसी वोट सुरक्षित करने का प्रयास कर रही है। इसका एक बड़ा हिस्सा पहले से भाजपा के साथ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद पिछड़ी जाति का प्रतीक चेहरा हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का भी चेहरा हैं। इसलिए यह मैसेज भी दिया जा रहा है कि उनके रहते शंकराचार्यों की क्या जरुरत है! राजनीति में अक्सर नेता यह गलती करते हैं। वे अपना मूल छोड़ कर दूसरे का वोट हथियाने की कोशिश करते हैं और इस कोशिश में अपना मूल भी गंवा देते हैं।

एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक डरा हुआ!

//हरिशंकर व्यास//

कितनी गजब बात है। क्या दुनिया के किसी देश, किसी संसद में ऐसा हुआ जो पहली बात सदन के नेता को स्पीकर बोले कि आपको भाषण नहीं देना है। और प्रधानमंत्री डर कर राष्ट्रपति अभिभाषण का भी धन्यवाद न करे! इससे भी बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड तो देश का प्रधानमंत्री चंद महिला सांसदों के शोर, उनके घेरने को अपने जीवन पर खतरा माने। राहुल गांधी से आंखे मिलाकर अपने समय के ही सेनापति की पुस्तक को लेने से घबराए! और इससे भी अधिक शर्मनाक की राज्यसभा में विपक्ष की खाली बेंचों के आगे प्रधानमंत्री दहाड़े। राहुल गांधी के खानदान के कोसे, उन्हें गांधी के नाम का चोर बताए। अपने समर्थकों की गली में दहाड़ना और विपक्ष से भरी गली से दुबकना, भागना तो वैश्विक ताकत याकि चीन के शी जिनपिंग और अमेरिका के ट्रंप के आगे या तो घिग्घी बंधना, जबरदस्ती गले लगना या मौन रहना, अपमान सहना!

ओह! हिंदू राष्ट्र। भला क्यों 140 करोड़ लोगों का प्रधानमंत्री और एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक इतना डरा हुआ! फिर भी नगाड़ा मैं देश और हिंदुओं का रक्षक। मुझे ही विश्वास नही हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार फरवरी को लोकसभा में इसलिए भाषण नहीं दिया क्योंकि उनको लग रहा था कि कुछ अप्रत्याशित घटित हो सकता है। और अपने मुंह से सीधा नहीं बोला। स्पीकर ने बोला कि उन्हें जो जानकारी मिली थी उस आधार पर उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे चार फरवरी को शाम पांच बजे लोकसभा में भाषण देने नहीं आएं। सो, प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया और उनके भाषण के बगैर, उनकी गैरहाजिरी में लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण का धन्यवाद प्रस्ताव पास हुआ। भारत का नया रिकॉर्ड बना।

सवाल है क्या स्पीकर को ऐसी सूचना मिली कि महिला सांसद या विपक्ष के दूसरे सांसद प्रधानमंत्री पर हमला कर सकते हैं। आखिर क्या अप्रत्याशित घट सकता था। इसकी निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। आखिर विपक्ष के चुने गए सांसदों पर बहुत गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। अगर इसमें सचाई है तो जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए नहीं तो यह माना जाएगा कि सरकार विपक्ष के सांसदों की साख खराब करने की कोशिश कर रही है।सोचें, अगर प्रधानमंत्री भाषण देने आ जाते और उनको भाषण देने से रोक दिया जाता तो क्या हो जाता। जैसे राहुल गांधी 46 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे और नहीं बोल पाए वैसे प्रधानमंत्री भी नहीं बोल पाते। लेकिन वे लोकसभा में जाकर सदन का सामना करते तो उनकी 56 इंच की छाती प्रमाणित होती। वे तो इसकी बजाय लोकसभा छोड़ कर राज्यसभा में चले गए। वहां उन्होंने विपक्षी के वाकआउट के बीच डेढ़ घंटे तक भाषण दिया।सोचें, प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर देश पांच सौ करोड़ रुपए से ज्यादा हर साल खर्च करता हैं। मतलब हर महीने 40 करोड़ रुपए से ज्यादा। यह स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी एसपीजी का बजट है। पहले एसपीजी पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार की सुरक्षा भी करती थी। लेकिन अब पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटा दी गई है। एसपीजी अब सिर्फ प्रधानमंत्री की सुरक्षा करती है। एक व्यक्ति की सुरक्षा पर इतना रुपया खर्च होता है। फिर भी वह व्यक्ति अपने ही देश में, अपनी ही संसद में असुरक्षित महसूस करता है या खतरे से घबरा कर मैदान छोड़ देता है तो इसे क्या कहा जाएगा। क्या संसद में प्रधानमंत्री को सुरक्षित महसूस कराने के लिए वहां भी एसपीजी की तैनाती कराई जाए। क्या स्पीकर सदन के अंदर एसपीजी तैनात करें, प्रधानमंत्री की कुर्सी के पास बुलेटप्रुफ केबिन बनवाएं या विपक्ष के सांसदों को बाहर निकाल कर हर बार प्रधानमंत्री का भाषण कराया जाए। याद करें कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जनवरी 2022 को पंजाब के दौरे पर थे और फिरोजपुर के कार्यक्रम में शामिल हुए बैगर वे वापिस लौटे थे। प्रधानमंत्री हुसैनीवाला शहीद स्मारक पर जाने के लिए निकले थे। मौसम खराब होने की वजह से वे सड़क के रास्ते जा रहे थे। एक फ्लाईओवर पर लोगों की भीड़ ने जाम लगा रखा था। वहां थोड़ी देर रूकने के बाद प्रधानमंत्री मोदी वापस लौट आए थे और बठिंडा हवाईअड्डे पर उन्होंने पंजाब के अधिकारियों से कहा था, अपने 'सीएम को थैंक्स कहना कि मैं बठिंडा एयरपोर्ट तक जिंदा लौट पाया'। सोचें, पंजाब के किसानों की नाराजगी थी और वे प्रदर्शन कर रहे थे। अपने ही लोगों के प्रदर्शन से घबरा कर प्रधानमंत्री वापस लौटे और ऐसा प्रकट किया, जैसे भीड़ उनकी जान लेने के लिए इकट्ठा थी। और वे किसी तरह से जान बचा कर बठिंडा हवाईअड्डे तक पहुंचे। सोचें, इतने मजबूत सुरक्षा बंदोबस्तों के बाद भी वे अपनी जान की रक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हैं तो देश के 140 करोड़ नागरिकों और एक सौ करोड़ हिंदुओं की रक्षा कैसे करेंगे। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में भारत के नागरिकों को, विपक्ष को, अपनी पार्टी-अपनी जमात को तरह तरह से डराकर कौम को डरपोक, कायर बनाया तो उससे इतनी हिम्मत तो बननी चाहिए कि वे अपनी ही लोकसभा में विपक्ष के आगे हिम्मत दिखाएं, आलोचना सुनें, प्रदर्शन-घेराबंदी को लोकतंत्र का हिस्सा मानें। यह तो न करें कि स्पीकर की आड़ ले कर संसद की भी कर्तव्य पालना न करें।

धान-परती भूमि में सरसों की खेती से किसानों की अच्छी आय संभव

छत्तीसगढ़ की परती भूमि अब सोना उगलने लगी है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में किसानों का रुझान राई-सरसों की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिलना शुरू हुई है, बल्कि देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने की राह भी आसान होती नजर आ रही है। बता दें कि यहां के किसान धान कटाई के बाद खेतों को खाली छोड़ देते हैं, यानी रबी फसल की बुवाई नहीं करते हैं। इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। किसानों के इन हालातों को देखते हुए आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने ठोस रोडमैप के साथ प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप परती भूमि पर अब सरसों की फसल लहलहाने लगी है। संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य की भूमि में खजाना छिपा हुआ है। यदि किसान धान कटाई के बाद देर से पकने वाली राई-सरसों किस्मों की बुवाई करें तो उनकी आर्थिक स्थिति में असम के किसानों के समान बदलाव देखने को मिल सकता है। छत्तीसगढ़ में कुल कृषि क्षेत्र 4.78 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें केवल 23 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। वार्षिक वर्षा लगभग 1190 मिमी है, जिसमें लगभग 88 प्रतिशत वर्षा मानसून (मध्य जून से सितंबर) के दौरान होती है। इस दौरान किसान धान का बड़े पैमाने पर उत्पादन लेते हैं। वहीं रबी में गेहूं और थोड़े क्षेत्रफल में दलहनों की बुवाई करते हैं, लेकिन राई-सरसों का उत्पादन हाशिए पर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परती भूमि, बस्तर के पठारी और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में राई-सरसों की खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का यह शुरुआती प्रयास है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि धान कटाई के बाद कृषि भूमि परती रह जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर सीमित हो जाते हैं। राई-सरसों की फसल परती भूमि को उत्पादक बनाने में मददगार बन सकती है। छत्तीसगढ़ में लगभग 3.9 मिलियन हेक्टेयर में धान की खेती होती है, जबकि धान उत्पादन लगभग 9.8 मिलियन टन है।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक से मुलाकात की।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सोविनियर आउटलेट का उद्घाटन किया।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ननूरखेड़ा, देहरादून में मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी 2025-26 के समापन समारोह में प्रतिभाग किया।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को विकासनगर, देहरादून में खाटू श्याम धाम में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट - 2026 में दिखाई गई प्रदर्शनी का वॉकथ्रू किया।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट - 2026 में डीएफपीडी पवेलियन का वॉकथ्रू किया।

एआई के जिम्मेदार उपयोग के लिए सर्वाधिक संकल्प लेकर बनाया विश्व रिकॉर्ड, अश्विनी वैष्णव ने की घोषणा

नईदिल्ली, 19 फरवरी [एजेंसी]।

भारत ने एआई के जिम्मेदार उपयोग के लिए सर्वाधिक संकल्प लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। दरअसल, एआई जिम्मेदारी अभियान के तहत 24 घंटे में प्राप्त सबसे अधिक संकल्प के लिए भारत को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड दिया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह घोषणा की।आधिकारिक बयान के अनुसार, 24 घंटे की अवधि के दौरान 2,50,946 वैध संकल्प प्राप्त हुए, जबकि शुरुआत में 5,000 संकल्प का लक्ष्य रखा गया था।

यह मजबूत सार्वजनिक भागीदारी और जिम्मेदार एआई अपनाने के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है। यह घोषणा भारत मंडपम में एआई समिट के दौरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड एडजुडिकेटर की उपस्थिति में की गई, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर उपलब्धि की पुष्टि की।

आईटी मंत्रालय के कहा कि 16 फरवरी को इंटेल इंडिया के सहयोग से इंडिया एआई मिशन के तहत शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी एआई जिम्मेदारी संकल्प अभियान ने नागरिकों को समर्पित पोर्टल के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नैतिक, समावेशी और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए आमंत्रित किया था। जोहो कॉरपोरेशन के सह-संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने बुधवार को कहा कि भारत अपनी युवा, अधिक आशावादी आबादी के साथ प्रौद्योगिकी की नई लहर को अपनाने के साथ 10 वर्षों में एआई अपनाने में अमेरिका की तुलना में तेज हो सकता है।

वेम्बू ने समिट को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे भारत में यूपीआई बड़े पैमाने पर बन गया, एआई भी वैसा ही हो सकता है। उन्होंने इसे लेकर फाइबर ऑप्टिक्स का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि हमारे पास बहुत युवा आशावादी आबादी है। हमारे पास बहुत अधिक संशयवादी आबादी नहीं है। उन्होंने कहा कि अनिच्छुक भीड़ के विपरीत, भारत में एआई को स्वीकार करने और अपनाने का खुलापन बहुत अधिक है। देश को एआई में आगे रखने के लिए वेम्बू ने युवा उद्यमियों और स्टार्ट-अप को आशावादी प्रयोग करने और चुनौतियों से सीखते रहने का सुझाव दिया।

झारखंड नगर निकाय चुनाव

झामुमो ने भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना आचार संहिता के उल्लंघन का लगाया आरोप

रांची। नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर है। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा के साथ-साथ अपने सहयोगी दल कांग्रेस पर भी आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने प्रेस वार्ता में कहा कि नगर निकाय चुनाव गैरदलीय आधार पर हो रहा है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस इसे दलीय रंग देने में जुटी हैं।उन्होंने कहा कि झामुमो पहले से स्पष्ट करता रहा है कि यह चुनाव गैरदलीय है और इसे उसी भावना से लड़ा जाना चाहिए। बावजूद इसके भाजपा और कांग्रेस खुले तौर पर अपने-अपने दल और चुनाव चिह्न का प्रचार कर रहे हैं। उनका आरोप है कि भाजपा इस चुनाव को सांप्रदायिक और राजनीतिक नजरिये से लड़ रही है, जबकि कांग्रेस नेता भी खुलेआम पार्टी प्रचार में लगे हैं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि काफी समय तक झामुमो ने संयम बरता, लेकिन परिस्थितियों के कारण अब पार्टी को सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखनी पड़ी। झामुमो समर्थित प्रत्याशी ने राज्य चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आयोग से मामले में संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई की मांग की। झामुमो प्रवक्ता ने रांची में कम मतदान प्रतिशत पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पिछले नगर निकाय चुनाव में मात्र 38 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो शहर के विकास के लिहाज से चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मजबूत और जवाबदेह नगर सरकार के लिए अधिकतम मतदान आवश्यक है।उन्होंने बुद्धिजीवियों, व्यापारियों और सभी वर्गों से अपील की कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य का नेतृत्व हेमंत सोरेन कर रहे हैं और यदि रांची नगर सरकार का नेतृत्व भी झामुमो समर्थित प्रतिनिधियों के हाथ में होगा तो शहर के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने दोहराया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष चुनाव और अधिक मतदान दोनों जरूरी हैं।

जिनेवा वार्ता बेनतीजा... रूस और यूक्रेन के बीच जमीन के मुद्दे पर नहीं बनी सहमति, जारी रहेगा युद्ध

जिनेवा, 19 फरवरी [एजेंसी]।

रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के प्रयास में मॉस्को और कीव के दूतों के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में हुई नवीनतम वार्ता बुधवार को बिना किसी सफलता के संकेत के समाप्त हो गई। दोनों पक्षों ने कहा कि वार्ता मुश्किल थी।इस साल की शुरुआत में अबू धाबी में हुई बैठकों के बाद स्विट्जरलैंड में वार्ता अमेरिका द्वारा आयोजित सीधी वार्ता का तीसरा दौर था, जिसे अधिकारियों ने रचनात्मक बताया, लेकिन इसमें भी कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, बातचीत आसान नहीं थी। सैन्य मुद्दों पर कुछ प्रगति हुई, हालांकि राजनीतिक मतभेद गहरे बने हुए हैं, जिसमें पूर्वी यूक्रेन में भूमि का भविष्य भी शामिल है, जिस पर रूसी सेना का कब्जा है और जिसे रूसी राष्ट्रपति अपने पास रखना चाहते हैं। वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि वार्ता के नतीजे के बारे में बोलना अभी बहुत जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, पुतिन को जिनेवा में प्रगति के बारे में रिपोर्ट मिलती रही हैं। दोनों पक्षों ने कहा कि वार्ता का एक नया दौर होने वाला है। अमेरिका किसी भी युद्धविराम की निगरानी में मदद करेगा।

चीन बनाम अमेरिका: 5 साल में चीन ने लॉन्च कीं 10 परमाणु पनडुब्बियां, अमेरिका रह गया पीछे

बीजिंग। चीन ने पिछले पांच वर्षों में परमाणु-संचालित पनडुब्बियों के उत्पादन में भारी तेजी लाई है। इसके साथ ही वह इसे लांच करने के मामले में अमेरिका से आगे निकल गया है। एक थिंक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने कहा कि पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की न्यूक्लियर पावर्ड सब फोर्स में बैलिस्टिक मिसाइल और पनडुब्बियां दोनों शामिल हैं।रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 से 2025 के बीच चीन ने 10 पनडुब्बियां लांच कीं, जबकि अमेरिका ने सात ही लांच की। वजन के मामले में भी चीन आगे रहा। चीन ने 79,000 टन का तो अमेरिका ने 55,500 टन का बनाया।यह बढ़ोतरी पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के परमाणु-संचालित बेड़े में हुई है, जिसमें बैलिस्टिक मिसाइल और युद्धक पनडुब्बियां शामिल हैं। हालांकि सक्रिय सेवा में शामिल पनडुब्बियों की संख्या में अब भी अमेरिका की बढ़त कायम है। 2025 की शुरुआत तक चीन के पास 12 सक्रिय परमाणु-संचालित पनडुब्बियां थीं, जिनमें छह बैलिस्टिक-मिसाइल और छह गाइडेड-मिसाइल या युद्धक पनडुब्बियां शामिल हैं। इसके मुकाबले अमेरिका के पास कुल 65 पनडुब्बियां हैं, जिनमें 14 बैलिस्टिक-मिसाइल पनडुब्बियां हैं।

पूर्वोत्तर के लोगों पर नस्लीय हमलों से जुड़ी अर्जी पर हस्तक्षेप से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा- हिंसा को सख्ती से रोकें

नईदिल्ली, 19 फरवरी [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों से नस्लीय भेदभाव और हिंसा के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर सीधे विचार करने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की हिंसा से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी नस्ल, क्षेत्र, लिंग और जाति के आधार पर व्यक्तियों की पहचान करना एक प्रतिगामी मार्ग पर चलने के समान होगा।पीठ ने कहा, अपराध केवल अपराध होता है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी को इस याचिका पर विचार करने और इसे उचित प्राधिकरण के पास भेजने का निर्देश दिया है। यह याचिका दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी द्वारा त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की नृशंस हत्या के बाद दायर की गई थी। चकमा की दिसंबर 2025 में देहरादून के सेलाकुई इलाके में नस्लीय हमले के दौरान हत्या कर दी गई थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि संसद में इस मुद्दे को उठाने के बावजूद हेट क्राइम से निपटने के लिए कोई विशेष एजेंसी नहीं बनाई गई है। कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ता को छूट दी कि वह अपनी याचिका की साफ्ट कापी अटार्नी जनरल कार्यालय को सौंपें, ताकि वे इस पर आवश्यक कार्रवाई कर सकें। याचिका में पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ हो रहे भेदभाव को संवैधानिक विफलता बताया गया था।

कैलिफोर्निया में हिमस्खलन ने मचाई तबाही : 9 स्कीयरों में से 8 के शव बरामद, एक अब भी लापता

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में बर्फीले तूफान और हिमस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। बुधवार को पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ताहो क्षेत्र के कैसल पीक पर आए भीषण हिमस्खलन के बाद लापता हुए नौ स्कीयरों में से आठ स्कीयरों की मौत हो गई है। बचाव दलों ने उनके शव बरामद कर लिए हैं, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता बताया जा रहा है। नेवादा काउंटी की शेरिफ शानन मून ने इस त्रासदी की पुष्टि करते हुए कहा, बचाव टीमें पूरी शिद्दत से काम कर रही हैं, लेकिन आठ सदस्यों को खोना एक बड़ी त्रासदी है। हम अभी भी एक लापता सदस्य की तलाश कर रहे हैं और उसे खोजने की हर संभव कोशिश जारी है। यह हादसा मंगलवार तड़के हुआ जब स्कीयरों का एक समूह कैसल पीक पर मौजूद था।

रमजान से पहले साहिबाबाद के बाजारों में उमड़ी भीड़ फलों की आवक बढ़ी, खजूर की मांग होगी दोगुनी

साहिबाबाद। रमजान का महीना शुरू होने से पहले बुधवार को बाजारों में रौनक देखने को मिली। त्योहार को देखते हुए साहिबाबाद स्थित नवीन फल एवं सब्जी मंडी में भी फलों की आवक बढ़ी है। कारोबारी आजादपुर मंडी से खजूर लाकर बेच रहे हैं। इसके अलावा बाजार में सहरी और रोजा इफ्तार के लिए खरीदारी अधिक हुई। इनमें सेवई, कुर्ता-पायजामा समेत अन्य उत्पादों की बिक्री भी हुई।साहिबाबाद फल एवं सब्जी मंडी में खजूर के अलावा संतरा, अंगूर, सेब की आवक भी बढ़ी है। मंडी सचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि नागपुर से संतरे की आवक अधिक होती है। इनमें दो से तीन गाड़ियां और बढ़ी हैं। सीजन और त्योहार को देखते हुए सुबह से ही फुटकर व्यापारी मंडी में खरीदारी के लिए आ रहे हैं।इसके अलावा सेब और अंगूर की भी एक से दो गाड़ियां बढ़ी हैं। खजूर की सबसे ज्यादा खरीदारी लोग कर रहे हैं। मंडी में सउदी, ईरान का खजूर उपलब्ध है लेकिन ज्यादातर की आवक आजादपुर मंडी से हो रही है। थोक कारोबारी आमिर ने बताया कि 150 रुपये किलो से दो हजार रुपये तक खजूर उपलब्ध है। रमजान के पूरे महीने में इनकी मांग दोगुनी तक हो जाती है।

देश की गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता 272 गीगावाट के पार भारत-ब्रिटेन के बीच ऑफशोर विंड टास्कफोर्स की शुरुआत

नईदिल्ली, 19 फरवरी ।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता 272 गीगावाट से अधिक हो गई है। इसमें 141 गीगावाट सौर तथा 55 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। उन्होंने भारत-ब्रिटेन ऑफशोर विंड टास्कफोर्स (अपटतीय पवन ऊर्जा कार्यबल) की शुरुआत के मौके पर यह जानकारी दी। इस अवसर पर ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी मौजूद थीं।कार्यबल की औपचारिक शुरुआत के मौके पर जोशी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 35 गीगावाट से अधिक सौर तथा 4.61 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से हासिल किया। यह उपलब्धि निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल की गई। मंत्री ने कहा, आज भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म क्षमता 272 गीगावाट से अधिक है, जिसमें सौर से 141 गीगावाट और पवन से 55 गीगावाट है। हमारी व्यापकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दो साल से कम समय में करीब 30 लाख परिवारों को रूफटॉप सोलर की सुविधा मिली। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत 21 लाख पंपों का सौरकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट नीति, संस्थागत समन्वय तथा निवेशकों और उद्योग के भरोसे को दर्शाते हैं। मंत्री ने कहा कि हालांकि अगले चरण में विश्वसनीयता, ग्रिड स्थिरता, औद्योगिक गहराई तथा ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करना होगा।

एल्विश यादव को सांप के जहर मामले में सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा- इससे समाज को बहुत गलत संदेश गया

नईदिल्ली, 19 फरवरी [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को संकेत दिया कि वह यूट्यूबर एल्विस यादव के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत सांप के जहर के मामले में दायर शिकायत की जांच करेगा। कोर्ट ने कहा कि अगर लोकप्रिय हस्तियों को सांप जैसे बेजुबान जीवों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाती है, तो इससे समाज को बहुत गलत संदेश जा सकता है। यूट्यूबर एल्विस यादव पर नवंबर 2023 में मामला दर्ज किया गया था और उन्हें 17 मार्च 2024 को नोएडा में एक रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस एम एम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ एल्विस यादव द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने मामले में अपने खिलाफ दायर आरोप पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी।एल्विस यादव की तरफ से पेश हुए वकील ने कोर्ट से कहा कि सांपों में जहर की ग्रंथियां नहीं थीं। इसपर शीर्ष न्यायालय ने कड़ी आपत्ति जताते हुए फटकार लगाई और कहा कि कोर्ट वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत शिकायत को लेकर परेशान है। फिलहाल, अदालत ने इस मामले को मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया है। अगली सुनवाई की तारीख अभी स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2024 पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में एक आरोपित को जमानत दे दी। यह मामला 19 मई 2024 की घटना से संबंधित है, जिसमें कथित तौर पर शराब के नशे में 17 वर्षीय लड़के द्वारा चलाई जा रही पोर्श कार ने पुणे के कल्याणी नगर इलाके में दो आइटी पेशेवरों को कुचल दिया था।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अशपाक बाशा मकंदर 20 महीने से जेल में है, जबकि तीन अन्य आरोपितों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। यह आरोप लगाया गया था कि मकंदर ने अस्पताल में नाबालिगों के रक्त के नमूनों को उनके अभिभावकों के रक्त के नमूनों के साथ अदला-बदली करके साक्ष्य से छेड़छाड़ करने की साजिश में सहायता की।पीठ ने कहा, अपीलकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि अपीलकर्ता को सह-अभियुक्त के समान रखा गया है, जिसे इस मामले में पहले ही जमानत दी जा चुकी है। पारित आदेश के संदर्भ में जमानत दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एनजीटी के उस आदेश को रद कर दिया, जिसमें ओडिशा के पुरी जिले के एक गांव में महिला स्वयं सहायता समूह की इमारत को इस आधार पर ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था कि यह एक जलाशय पर बनाई गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ उड़ीसा हाई कोर्ट के जुलाई 2022 के आदेश को चुनौती देने वाली गोपीनाथपुर ग्राम पंचायत समिति की अपील पर सुनवाई कर रही थी।

हरिद्वार जिला न्यायालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड ने चलाया सर्च ऑपरेशन

हरिद्वार। कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल से हड़कंप मचने के बाद बुधवार को पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह की अगुवाई में सिडकुल थाने की पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड ने मिलकर जिला एवं सत्र न्यायालय रोशनाबाद परिसर में सघन चेकिंग की।जिला न्यायालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर मंगलवार को धमकी भरी मेल आई थी। जिसमें न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस मामले में जिला न्यायालय के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज चौहान की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजा गया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर बुधवार सुबह एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह की अगुवाई में सिडकुल थानाध्यक्ष नितेश शर्मा और उनकी टीम ने बीडीएस दस्ते के साथ मिलकर न्यायालय परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया।एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया गया, जिससे आमजन और अधिवक्ताओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है।

गाजियाबाद में हर कोने पर चल रहे अवैध गैस रिफिलिंग के कारोबार, प्रशासन की आंखें बंद

लोनी, 19 फरवरी [एजेंसी]।

शहर में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलिंडरों की रीफिलिंग का धंधा दिन-ब-दिन पैर पसारता जा रहा है। इस खतरनाक व्यापार को लेकर प्रशासन की लापरवाही को उजागर हो रही है। आपूर्ति विभाग इस मामले को लेकर खामोश है। वहीं, अवैध रीफिलिंग करने वाले खुलेआम बाजार और घरों में सिलिंडर भरने का कार्य कर रहे हैं। शहर के शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जहां पर अवैध रीफिलिंग का खेल नहीं चल रहा हो। मौजूदा समय में लोनी राहुल गार्डन, लक्ष्मी गार्डन, पूजा कालोनी, संगम विहार, न्यू विकास नगर, आर्य नगर, परम हंस विहार,तिलक राम कालोनी, उत्तरांचल बिहार, अमित विहार में अवैध गैस रीफिलिंग का खतरनाक जाल फैला है। घरेलू गैस सिलिंडरों की रीफिलिंग की कालाबाजारी का धंधा दिनों-दिन गुलजार हो रहा है। इन स्थानों पर न तो सुरक्षा मानक थे, न कोई लाइसेंस। रिहायशी इलाकों में खुलेआम चल रहे इस खतरनाक धंधे को लेकर तहसील प्रशासन, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और पुलिस तीनों ही विभाग सुस्त नजर आते हैं। न तो कोई ठोस सर्वे कराया गया है, न ही कोई निरंतर अभियान चलाया गया। यहां किराये के मकान में रहने वाले निम्न आय वर्ग के लोग पांच किलो और दो किलो के छोटे गैस सिलेंडर का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए करते हैं। अवैध तरीके से गैस रीफिलिंग करने वाले दुकानदार एक सिलिंडर में प्रतिदिन एक से डेढ हजार रुपये की कमाई करते हैं। बड़े सिलिंडर में लगभग 14 किलो गैस होती है, जिसकी कीमत लगभग नौ सौ रुपये है, वहीं गैस रीफिलिंग करके भरने पर प्रति किलो लगभग सौ से डेढ़ सौ रुपये वसूले जाते हैं।

ऐसे में एक घरेलू सिलिंडर की गैस को लगभग दो हजार रुपये में बेची जा रही है। इस तरह अवैध गैस रिफलिंग में एक सिलेंडर से दोगुना तक फायदा है।अवैध रूप से बिकने वाले इन छोटे गैस सिलेंडरों को पतले चदरों से बनाया जाता है। ज्यादा प्रेसर से गैस डालने या आग पकड़ने के बाद इन गैस सिलेंडरों के फटने की आशंका ज्यादा रहती है। वहीं अधिकतर किराए के मकान में रह रहे लोग इन छोटे सिलेंडरों के ऊपर ही बर्नर लगाकर खाना बनाते हैं। बर्नर के कारण सिलेंडर जल्द ही गर्म हो जाता है, जो कि बहुत खतरनाक है। इन सिलेंडरों में गैस का आउटलेट पिन भी काफी कमजोर होता जिससे गैस लीक होने की शिकायतें ज्यादा रहती हैं। ऐसे सिलेंडरों में लगने वाले रेगुलेटर भी लोकल होते हैं।

छत्तीसगढ़ में आदिवासी ईसाइयों के शवों को कब्र से निकालने पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर दिया आदेश

रायपुर, 19 फरवरी [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को छत्तीसगढ़ सरकार से एक याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के गांवों में आदिवासी ईसाइयों के शवों को जबरन कब्र से निकाला गया और फिर दफनाया गया। शीर्ष अदालत ने आगे से कोई शव कब्र से निकालने पर रोक भी लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें दावा किया गया है कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी ईसाइयों को अपने परिवार के मृतक सदस्यों को उनके गांवों में दफनाने से जबरन रोका गया।वकील सत्य मित्रा के माध्यम से यह याचिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन फॉर जस्टिस एंड इक्वलिटी और अन्य की तरफ से दाखिल की गई है।

इसमें आरोप लगाया गया है कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कालिन गोंसाल्विस ने कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक की मां का शव कब्र से निकाला गया और जानकारी दिए बिना कहीं और दफना दिया गया। एक अन्य याचिकाकर्ता के पति का शव भी बहुसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा कब्र से जबरन निकाला गया और दूर एक स्थान पर दफना दिया गया।

राजस्थान में शर्मनाक: संतान प्राप्ति के नाम पर तांत्रिक ने किया महिला से दुष्कर्म, मतांतरण का बनाया दबाव

उदयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक तांत्रिक ने संतान प्राप्ति के इलाज के बहाने एक महिला के साथ दुष्कर्म किया और मतांतरण का दबाव बनाया। आरोपित ने तंत्र-मंत्र और जादू-टोने का भय दिखाकर महिला को जाल में फंसाया और लगभग छह महीने तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पिछले एक वर्ष से संतान न होने के कारण परेशान थी। मकान मालकिन के जरिये उसकी मुलाकात तांत्रिक जानिसार उर्फ सोनू (44) से हुई।आरोपित ने तंत्र-मंत्र से बच्चा होने का दावा किया और ताबीज देने के बहाने पीड़िता के घर में अपनी जगह बना ली। करीब छह महीने पहले आरोपित ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अपनी कथित तांत्रिक शक्तियों से डराकर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद आरोपित ने उस पर मत परिवर्तन करने का दबाव भी बनाया। हिंदू संगठनों के दबाव डालने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया है।

सफेद चॉकलेट से बन सकती हैं ये 5 पारंपरिक मिठाइयां, जिनका स्वाद होगा बेमिसाल

सफेद चॉकलेट का नाम सुनते ही लोगों के मन में विदेशी मिठाइयों का ही ख्याल आता है। हालांकि, इस लजीज चॉकलेट से आप कई तरह की पारंपरिक मिठाइयां भी बना सकते हैं। जी हां, सफेद चॉकलेट का इस्तेमाल करके आप पारंपरिक भारतीय मिठाइयों को एक नया ट्विस्ट दे सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी पारंपरिक मिठाइयों की रेसिपी बताते हैं, जिनका स्वाद सफेद चॉकलेट मिलाने से और भी ज्यादा बढ़ सकता है।

सफेद चॉकलेट की बर्फी

बर्फी एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है और इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए दूध के पाउडर, चीनी और घी को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को थाली में फैलाकर ठंडा होने दें और बाद में इसे टुकड़ों में काटकर परोसें। यह बर्फी बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आएगी और त्योहारों या विशेष अवसरों पर इसे बनाना आपके मेहमानों को खुश कर देगा। सफेद चॉकलेट का हलवा

हलवा भारतीय खान-पान का एक अहम हिस्सा है और जिसे सफेद चॉकलेट के साथ एक नया ट्विस्ट दिया जा सकता है। इसके लिए सूजी, दूध, चीनी और घी को मिलाकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को धीमी आंच पर पकाते रहें, जब तक कि हलवा गाढ़ा न हो जाए। ऊपर से कटे हुए मेवे डालकर इसे सजाएं और गर्मा-गर्म परोसें।

सफेद चॉकलेट का रसगुल्ला

रसगुल्ला पश्चिम बंगाल की एक मशहूर मिठाई है, जिसे आप सफेद चॉकलेट से एक अनोखा स्वाद दे सकते हैं। इसके लिए पहले चाशनी तैयार करें, फिर छेने के गोल आकार बनाकर उन्हें इसमें डालें। अब इन रसगुल्लों को ठंडा होने दें। इसके बाद परोसने से पहले हर रसगुल्ला के ऊपर थोड़ी-सी पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें। इससे रसगुल्लों का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और ये देखने में भी बेहद आकर्षक लगेंगे।

सफेद चॉकलेट के लड्डू

लड्डू भारतीय त्योहारों का एक अहम हिस्सा होते हैं और इन्हें आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए बेसन, पिसी चीनी, घी और इलायची पाउडर आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर उन्हें मेवों से सजा लें। ये लड्डू खाने के बाद आपके घर वाले आपकी खूब तारीफ करेंगे और बार-बार खाने की जिद करेंगे।

सफेद चॉकलेट की काजूकतली

काजूकतली एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे काजू के पाउडर और चीनी से बनाया जाता है। इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ नया रूप दे सकते हैं। इसके लिए पहले काजू के पाउडर, पिसी चीनी और दूध आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इस मिठाई को परोसें। इसके ऊपर चांदी का वर्क लगाना न भूलें।

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो। फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है।

ब्रिज एक्सरसाइज को वर्कआउट रूटीन में शामिल करने से मिल सकते हैं ये फायदे

ब्रिज एक्सरसाइज एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जो आपके शरीर के संतुलन और स्थिरता को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज पीठ, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए बहुत अच्छी है। इसके अलावा यह शरीर में खून के बहाव को भी सुधार सकती है। इस लेख में हम आपको ब्रिज एक्सरसाइज से मिलने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, ताकि आप इसका पूरा लाभ उठा सकें।

पीठ दर्द से मिलती है राहत

अगर आपको पीठ दर्द की समस्या रहती है तो ब्रिज एक्सरसाइज आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से आपकी पीठ की मांसपेशियां मजबूत हो सकती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है। आपको बस इतना करना है कि जमीन पर पीठ के बल लेटकर अपने पैरों को घुटनों से मोड़ लेना है और हाथों को अपने शरीर के पास रखना है। अब धीरे-धीरे कूल्हों को ऊपर-नीचे करना है।

कूल्हे होते हैं मजबूत

ब्रिज एक्सरसाइज आपके कूल्हों को मजबूत बनाने में भी योगदान दे सकती है। इसे नियमित रूप से करने से कूल्हों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनमें लचीलापन आता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके कूल्हों को आकार भी दे सकती है। ब्रिज एक्सरसाइज पेल्विस और कोर को स्थिर करती है, जिससे आस-पास के जोड़ों पर तनाव कम होता है और पीठ के निचले हिस्से में होने वाले दर्द से भी राहत मिल जाती है।

पेट की चर्बी होती है कम

ब्रिज एक्सरसाइज पेट की चर्बी कम करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से आपके पेट की मांसपेशियां टोन हो सकती हैं और चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर की फिटनेस को भी बढ़ावा दे सकती है। ब्रिज एक्सरसाइज पेट की गहरी मांसपेशियों को सक्रिय करती हैं, जिसमें ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस भी शामिल है। इससे पेट के मध्य भाग को कसने में मदद मिलती है।

सुधरता है खून का बहाव

ब्रिज एक्सरसाइज खून के बहाव को भी सुधारती है। जब आप इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपके शरीर में खून का प्रवाह बेहतर होता है, जिससे आपकी त्वचा और बाल भी स्वस्थ रहते हैं। यह एक्सरसाइज विशेष रूप से शरीर के निचले हिस्से, रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क में खून के बहाव को बेहतर करती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर की फिटनेस को भी बढ़ावा देता है।

मिलती है मानसिक शांति

ब्रिज एक्सरसाइज मानसिक शांति प्रदान करने में भी सहायक होती है। जब आप नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपका मन शांत रहता है, जिससे तनाव कम होता है और आपकी सोचने-समझने की क्षमता बढ़ सकती है। एक सौम्य बैकबेंड के रूप में यह शारीरिक परिश्रम को गहरी सांस लेने के साथ मिलाकर तंत्रिका तंत्र को शांत करने में सहायक होती है। इसे करने से चिंता और अवसाद से भी छुटकारा मिल सकता है।

हे बलवंत दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी: अभिनेत्री शिवानी नागरम

हाल ही में लिटिल हार्ट्स, राजू वेड्स रामभाई और ईशा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले सफल जोड़ी बन्नी वास और वामसी नंदीपति अब एक पूरी तरह से मनोरंजक फिल्म हे बलवंत (पहले हे भगवान थी) के साथ दर्शकों के सामने आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण बी. नरेंद्र रेड्डी त्रिशूल विजनरी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं, निर्देशन गोपी आचार्य कर रहे हैं और इसे नंदीपति एंटरटेनमेंट्स और बन्नी वास वर्क्स प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में सुहास, शिवानी नागराम, वरिष्ठ अभिनेता नरेश और एंकर श्रावंती मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

इस अवसर पर सोमवार को अभिनेत्री शिवानी नागराम ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताय कि सुहास के साथ यह मेरी दूसरी और मेरे करियर की तीसरी फिल्म है। उनके साथ पिछली फिल्म में मेरा किरदार बहुत गंभीर था और कहानी भी काफी गंभीर थी। लेकिन इस फिल्म में यह काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है। मुझे यह भूमिका निभाने में बहुत मज़ा आया। पूरी फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। अंत में पिता-पुत्र का प्रेम प्रसंग भी सबको छू जाएगा। मेरे किरदार में मासूमियत के साथ-साथ हास्य भी है।

फिल्म बहुत अच्छी है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह निश्चित रूप से हिट होगी। सुदर्शन, सुहास और मेरे किरदार आपको खूब हंसाएंगे। नरेश और वेन्नेला किशोर के किरदार बेहद मजेदार हैं। क्लाइमेक्स धमाकेदार होगा और बेहद मनोरंजक।

मेरे पास जो भी कहानियां आती हैं, उनमें से मैं हमेशा सबसे अच्छी कहानी चुनता हूं। मेरी पहली फिल्म में कॉमेडी नहीं थी, दूसरी पूरी तरह से कॉमेडी थी, और इस फिल्म में भी कॉमेडी है। मुझे कहानी और अपना किरदार दोनों ही पसंद आ गए, जैसे ही मैंने इसके बारे में सुना।

इस फिल्म में कौन सा व्यवसाय दिखाया गया है? क्या आपका इससे कोई संबंध है?

नहीं, फिल्म में दिखाया गया व्यवसाय नरेश सर का पारिवारिक व्यवसाय है। मेरा इससे कोई संबंध नहीं है। आपको इसे सिनेमाघरों में देखना चाहिए और आनंद लेना चाहिए। आपको खूब हंसी आएगी।

यह रंगीन दृश्यों और बेहतरीन संगीत से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है। नरेश और वेन्नेला किशोर की कॉमेडी आपको खूब हंसाएगी। हर किरदार आपको हंसाएगा।

मैंने कुचिपुड़ी और संगीत सीखा है। मैं गायिका से अभिनेत्री बनी हूँ। मैंने लिटिल हार्ट्स में थोड़ा गुनगुनाया था और आरम्भम में एक गाना गाया था। अगर मौका मिले तो मैं गाने के लिए तैयार हूँ।

वो बहुत ही मिलनसार और सहयोगी हैं, और एक बेहतरीन अभिनेता हैं। इस फिल्म में हमारी जोड़ी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। हमारे साथ के दृश्यों का दर्शक भरपूर आनंद लेंगे।

मेरा परिवार बहुत सहयोगी है। उन्होंने मुझे जो अवसर दिया, उसका मैंने अच्छे फिल्मों में उपयोग करके खुद को साबित किया। वे बहुत खुश हैं।

लिटिल हार्ट्स की सफलता के बाद आप ऑफर्स को कैसे मैनेज कर रही हैं?

मैं सफलता को एक अवसर मानकर अगली फिल्म की ओर बढ़ती हूं, लेकिन मैं फिल्म तभी स्वीकार करती हूं जब मुझे कहानी पसंद आए, चाहे कलाकारों का संयोजन कैसा भी हो। मैं देखती हूं कि क्या मैं कहानी से जुड़ पाती हूं और मेरा किरदार कितना महत्वपूर्ण है। यही मेरे लिए मायने रखता है। मैंने शुरू में गंभीरता से अभिनेता बनने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन अब मुझे पहचान मिल गई है।

बॉर्डर 2 के बाद फिर गदर मचाएंगे सनी देओल

बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज डेट आधिकारिक तौर पर घोषित कर दी गई है. आमिर खान प्रोडक्शंस ने इसकी घोषणा की कि फिल्म 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ये तारीख स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के हफ्ते में आती है, जो फिल्म की थीम को और भी खास बनाती है.लाहौर 1947 एक पीरियड ड्रामा है, जो 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है. फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रीति जिंटा (7 साल बाद बॉलीवुड में वापसी), शबाना आजमी, करण देओल, मिथुन चक्रवर्ती, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे. निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, जो सनी देओल के साथ घायल, दामिनी, गदर जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं. ये पहली बार है जब सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं. फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने कंपोज किया है और गाने जावेद अख्तर के लिखे हैं. शूटिंग फरवरी 2024 में शुरू हुई और अक्टूबर 2025 में पूरी हुई. पहले ये फिल्म 26 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी के कारण अब अगस्त 2026 में आ रही है. आमिर खान ने स्टेटमेंट में कहा- ये स्क्रिप्ट धर्मेंद्र जी की सबसे पसंदीदा थी. सनी देओल के लिए ये फिल्म बॉर्डर 2 के बाद एक और बड़ा प्रोजेक्ट है. गदर 2 की सफलता के बाद फैंस उन्हें फिर से पावरफुल रोल में देखने के लिए बेताब हैं. विभाजन की संवेदनशील कहानी को राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में देखना रोमांचक होगा. फिल्म में इमोशन, एक्शन और ऐतिहासिक ड्रामा का मिश्रण होगा, जो ऑडियंस को थिएटर तक खींचेगा।

सू- दोकू क्र.320

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.319 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -320

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पांचवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

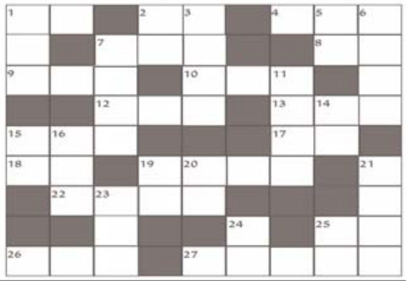

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 319 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	ब
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	ब	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		ब
	बा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

कोरिया महोत्सव में लोक संस्कृति की महक बिखरी

कोरियावासियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभाओं का बढ़ाया हौसला

कोरिया बैकुंठपुर। तीन दिवसीय कोरिया महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को शासकीय रामानुज आदर्श हायरसेकेंडरी स्कूल के मिनी स्टेडियम में किया था। मंगलवार की संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम रही, जहां लोक संस्कृति और परंपरा की सोंधी महक ने पूरे वातावरण को सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पंथी नृत्य से हुई, जिसमें सतनाम की घोष के साथ कलाकारों ने आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। इसके पश्चात स्थानीय दलों द्वारा प्रस्तुत शैला नृत्य ने मंच पर जीवंतता बिखेरी और दर्शकों से भरपूर वाहवाही प्राप्त की। शास्त्रीय प्रस्तुतियों में कथक नृत्यांगना सुश्री आशना दिल्लीवार (रायपुर) ने अपनी मनमोहक भाव-भंगिमाओं और पद संचालन से खूब तालियां बटोरीं। वहीं ओड़िसी नृत्य में सुश्री आंचल पाण्डेय (बिलासपुर) ने लय और ताल के अद्भुत समन्वय से दर्शकों का दिल जीत लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति और तालियों की गड़गड़ाहट ने कलाकारों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं जिलेवासी उपस्थित रहे। कोरिया महोत्सव के दूसरे दिन की यह सांस्कृतिक संध्या लोक परंपराओं, शास्त्रीय सौंदर्य और सामूहिक उत्साह का सुंदर संगम बनकर यादगार रही।

पुलिस ने मोटर वाहन चेकिंग अभियान चला कर की कार्यवाही

चिरमिरी। पुलिस अधीक्षक. श्रीमती रत्ना सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती तरसीला टोप्पो के मार्गदर्शन में 18.02.2026 को पुलिस चौकी खोगापानी, थाना झगराखांड के एस आई आर.एन.गुप्ता व स्टॉफ द्वारा विशेष मोटर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान वाहन चालक मीत मोगरे पिता अशोक कुमार मोगरे, निवासी रेलवे कॉलोनी मनेंद्रगढ़ तथा शिवा कोल पिता स्व. लल्ला कोल, निवासी एकता नगर खोगापानी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। उक्त व्यक्तियों द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर वाहन चलाना, रजिस्ट्रेशन की शर्तों का उल्लंघन, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाना, सड़क सुरक्षा, शोर नियंत्रण एवं वायु प्रदूषण संबंधी मानकों का उल्लंघन तथा बिना बीमा वाहन संचालन करना पाया गया। उक्त कृत्यों के संबंध में मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए दो नग मोटरसाइकिल जप्त की गई।इसके साथ ही अन्य वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करना पाए जाने कुल 27वाहन चालकों के विरुद्ध एम वी. एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। जिला पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सतत कार्रवाई जारी रहेगी।

छात्राओं को स्कूल आने-जाने में हो रही सहूलियत

छात्रा मायावती की मेहनत और समय की हो रही बचत, जिससे पढ़ाई को मिली नई रफ्तार

सूरजपुर। शासन की सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय कदम है। नि:शुल्क सायकल मिलने से छात्राओं को स्कूल में आने-जाने में सहूलियत हो रही है। साथ ही उनके समय और मेहनत की बचत हो रही है। इसी तारतम्य में शा.उ.मा.विद्यालय चंदन नगर विकासखंड प्रेमनगर की की छात्रा कु. मायावती को नि:शुल्क सायकल प्रदान की गई, जिसने उसकी पढ़ाई की राह को आसान और सुरक्षित बना दिया। मायावती का स्कूल उसके घर से लगभग 04 किलोमीटर दूर स्थित है। पैदल आने-जाने में न केवल उसे शारीरिक थकान होती थी, बल्कि पढ़ाई के लिए मिलने वाला कीमती समय भी कम हो जाता था। ऐसे में शासन की सरस्वती सायकल योजना मायावती के जीवन में उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना के तहत जब उसे नि:शुल्क साइकिल मिली, तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अब मायावती रोज़ सायकल से आसानी और आत्मविश्वास के साथ स्कूल जाती है। लंबी दूरी अब बाधा नहीं रही, बल्कि उसका सफर सुरक्षित, सुगम और आनंददायक बन गया है। सायकल मिलने से मायावती के समय की बचत हो रही है, जिससे वह पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पा रही है। उसकी उपस्थिति नियमित हुई है और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। मायवती ने इस बदलाव के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरस्वती सायकल योजना जैसी पहल ने न केवल उसकी शिक्षा को आसान बनाया है, बल्कि उसके सपनों को भी नई दिशा दी है।

आस्था और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम: मां महामाया मंदिर परिसर में बिना पेड़ काटे बना शेड

रामानुजगंज। जहां एक ओर क्षेत्र में विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ों की कटाई की घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं, वहीं रामानुजगंज से एक सकारात्मक और प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। जिले के प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक मां महामाया मंदिर परिसर में वर्षों से लंबित शेड निर्माण की मांग को इस प्रकार पूरा किया गया कि न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिली, बल्कि एक विशाल और वर्षों पुराना नीम का पेड़ भी सुरक्षित रहा।मां महामाया मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। गर्मी, वर्षा और धूप से बचाव के लिए मंदिर परिसर में शेड निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा कई बार इस विषय को नगर पंचायत के समक्ष उठाया गया था।शेड निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती: विशाल नीम का पेड़मंदिर परिसर में जिस स्थान पर शेड प्रस्तावित था, वहीं एक विशाल एवं घना नीम का पेड़ वर्षों से खड़ा था। यह पेड़ न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्राकृतिक छाया का भी प्रमुख स्रोत था। शेड निर्माण के दौरान सबसे बड़ी चुनौती यही थी कि निर्माण कार्य कैसे किया जाए ताकि पेड़ को कोई नुकसान न पहुंचे।अक्सर ऐसे मामलों में निर्माण कार्य को प्राथमिकता देते हुए पेड़ों की कटाई कर दी जाती है, परंतु यहां अलग सोच के साथ निर्णय लिया गया।तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष की पहलतत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष के कार्यकाल में इस मांग पर गंभीरता से विचार किया गया। निर्माण एजेंसी और ंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शेड का डिजाइन इस प्रकार तैयार किया जाए जिससे नीम का पेड़ पूरी तरह सुरक्षित रहे। परिणामस्वरूप शेड की संरचना को पेड़ के चारों ओर समायोजित करते हुए विशेष डिजाइन तैयार किया गया।शेड का निर्माण इस तरह किया गया कि पेड़ को काटने या उसकी शाखाओं को नुकसान पहुंचाने की ।वश्यकता नहीं पड़ी। पेड़ को संरचना के बीच सुरक्षित स्थान देते हुए शेड को आकार दिया गया, जिससे प्राकृतिक छाया और कृत्रिम संरचना का सुंदर समन्वय स्थापित हुआ।आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेशस्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे विकास और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन का उदाहरण बताया है। उनका कहना है कि यदि इच्छाशक्ति हो तो विकास कार्यों को प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर भी किया जा सकता है।जहां एक ओर कई स्थानों पर बिना आवश्यकता भी पेड़ों की कटाई कर दी जाती है, वहीं मां महामाया मंदिर परिसर का यह मॉडल यह दर्शाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि संवेदनशील निर्णयों से संभव है।श्रद्धालुओं को मिली बड़ी राहतशेड निर्माण के बाद अब श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से राहत मिल रही है। विशेष रूप से त्यौहारों और नवरात्रि जैसे अवसरों पर जब बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचते हैं, तब यह शेड अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। साथ ही, परिसर की सुंदरता भी बनी हुई है और नीम का पेड़ आज भी श्रद्धालुओं को शीतल छाया प्रदान कर रहा है।अनुकरणीय पहलपर्यावरण विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि इस प्रकार की पहल अन्य शासकीय और अर्द्धशासकीय संस्थानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है। विकास कार्यों के दौरान पेड़ों को संरक्षित रखने के लिए डिजाइन आधारित समाधान अपनाए जा सकते हैं।रामानुजगंज की यह पहल न केवल स्थानीय स्तर पर सराही जा रही है, बल्कि यह संदेश भी दे रही है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि संतुलित सोच के साथ दोनों का संरक्षण संभव है।

मुख्य न्यायाधीश की माता की पुण्य स्मृति में शांति हवन एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश की पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती कुसुम सिन्हा (10 जुलाई 1942 - 15 फरवरी 2026) की पुण्य स्मृति में 18 फरवरी 2026 को सायं 5:00 बजे से 6:30 बजे तक शांति हवन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम माननीय मुख्य न्यायाधीश के शासकीय आवास, उच्च न्यायालय आवासीय परिसर, बोदरी, बिलासपुर में संपन्न हुआ। वेद मंत्रोच्चार के साथ विधिवत शांति हवन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात भजन संध्या एवं शोक सभा आयोजित की गई, जहां उपस्थित लोगों ने मौन धारण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वर्गीय श्रीमती कुसुम सिन्हा के जीवन, उनके सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, उच्च संस्कारों एवं पारिवारिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माताजी का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव परिवार के लिए प्रेरणास्रोत रहा। उनके जीवन से कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा और सेवा भाव की प्रेरणा मिलती रहेगी। वक्ताओं ने कहा कि उनकी स्मृतियां सदैव शांति और संबल प्रदान करती रहेंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधि मंत्री गजेन्द्र यादव, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, विधायक सुशांत शुक्ला, महाधिवक्ता, पुलिस महानिदेशक, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, रजिस्ट्रार जनरल, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जनहित में अभियान चलाकर किया गया अतिक्रमणमुक्त

रायपुर। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात विवेक शुक्ला, अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव, जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, नगर निगम जोन 6 एवं 10 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन 6, 10 क्षेत्र अंतर्गत संतोषी नगर मुख्य मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में विभिन्न प्रमुख मार्गो को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को पुन: एक बार समझाइश दी गयी।

एसईसीएल इंटर कंपनी फर्स्ट एड टूर्नामेंट में ओवरऑल चैंपियन बना बैकुंठपुर

चरचा कॉलरी। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय इंटर कंपनी फर्स्ट एड प्रतियोगिता टूर्नामेंट 2025-26 में बैकुंठपुर क्षेत्र की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्राथमिक उपचार प्रदान करने की दक्षता को सुदृढ़ करना रहा। प्रतिभागियों ने स्ट्रेचर ड्रिल, टर्न आउट, मार्चपास्ट ड्रिल तथा सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक मूल्यांकन के माध्यम से अपनी दक्षता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिरंची दास, निदेशक (मानव संसाधन), मुख्यालय बिलासपुर रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अरुण कुमार त्यागी, क्षेत्रीय महाप्रबंधक द्वारा की गई। प्रतियोगिता में बैकुंठपुर क्षेत्र की टीम 'ए' ने ओवरऑल विनर का खिताब अपने नाम किया। इस टीम के कप्तान निलेश अवधिया तथा सदस्य मयंक पटेल, नितेश शाह, शंभू कहार और संदीप उरांव रहे। वहीं स्ट्रेचर ड्रिल प्रतियोगिता में बैकुंठपुर क्षेत्र की टीम 'बी' ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस टीम के कप्तान कुमार अमिय आनंद एवं सदस्य प्रवीण खलको, वसीम फिरोज, सिमोन टोप्पो और चंद्रशेखर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। बैकुंठपुर क्षेत्र की महिला टीम की कप्तान प्रिया खाखा एवं सदस्य अंजली कुमारी, किरण सिंह, कविता किस्पोट्टा और पूजा ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। महिला प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन का विशेष आकर्षण रही। बैकुंठपुर क्षेत्र की दोनों टीमों की इस उपलब्धि के पीछे टीम मैनेजर डॉ. अनुराग सिंह एवं कोच योगेंद्र मिश्रा का विशेष योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि योगेंद्र मिश्रा विगत 10 वर्षों से बैकुंठपुर क्षेत्र की रेस्क्यू एवं फर्स्ट एड टीम के कोच हैं। उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र को अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इंटर कंपनी फर्स्ट एड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बैकुंठपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक श्री बी.एन. झा ने महाप्रबंधक कार्यालय में महिला प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया तथा सभी टीम सदस्यों को बधाई दी।इस अवसर पर वी.एस. परिहार (एरिया सेफ्टी ऑफिसर), रीजनल हॉस्पिटल की सीएमओ डॉ. एस..मिंज, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक गौरव दुबे, स्टाफ ऑफिसर ई एंड एम दास साहब, ऑफिस सुपरिटेंडेंट अतुल गुप्ता, सीनियर पर्सनल मैनेजर विकास शंकर ओझा सहित क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।मुख्य महाप्रबंधक श्री बी.एन. झा ने कहा कि फर्स्ट एड प्रतियोगिता केवल एक स्पर्धा नहीं, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षा की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। बैकुंठपुर क्षेत्र की टीमों ने अनुशासन, समर्पण और दक्षता का परिचय देते हुए पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। विशेष रूप से महिला टीम की सक्रिय भागीदारी अत्यंत प्रेरणादायक है। मैं सभी प्रतिभागियों, कोच एवं प्रबंधन टीम को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। इस शानदार उपलब्धि से बैकुंठपुर क्षेत्र में हर्ष और गर्व का वातावरण है।

स्कूली बच्चों को भारतीय न्याय संहिता सहित अन्य कानूनों की दी जानकारी

सूरजपुर। आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा व डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर चौकी सलका-उमेश्वरपुर पुलिस ने नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

बुधवार, 18 फरवरी 2026 को चौकी प्रभारी संजय यादव ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमेश्वरपुर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) की विशेषताओं से स्कूली बच्चों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इन नए कानूनों का मुख्य उद्देश्य दंड से न्याय की ओर बढ़ना है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान चौकी प्रभारी ने स्पष्ट किया कि इन कानूनों का लक्ष्य न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित और पीड़ित-केंद्रित बनाना है। इससे आम जनता को कई लाभ मिलेंगे। इन लाभों में ई-एफआईआर की सुविधा, डिजिटल साक्ष्यों की स्वीकार्यता और महिलाओं व कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए कड़े प्रावधान शामिल हैं। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य चंद्रपाल लकड़ा, शिक्षक, शिक्षिकाएं पुलिस स्टाफ छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल से बदली स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़। जिला मुख्यालय स्थित का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से उन्नयन कर 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बनाए जाने के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार विस्तार हो रहा है। डॉक्टरों की उपलब्धता, विशेषज्ञ सेवाएं, बेड क्षमता, ऑपरेशन और डायलासिस जैसी सुविधाओं के बढ़ने से क्षेत्रीय मरीजों को अब बेहतर इलाज स्थानीय स्तर पर मिल रहा है।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, बीते महीनों में चिकित्सा ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ विभागवार सेवाओं का विस्तार किया गया है, जिससे मनेन्द्रगढ़ और आसपास के ग्रामीण अंचलों के मरीजों की बड़े शहरों पर निर्भरता कम हो रही है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी के मुताबिक अस्पताल में वर्तमान में 15 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम कार्यरत है। इनमें × मेडिकल स्पेशलिस्ट, 2 सर्जन, 2 नेत्र रोग विशेषज्ञ, 2 एनेस्थीसिया विशेषज्ञ सहित अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 10 से अधिक एमबीबीएस डॉक्टर भी पदस्थ हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर अस्पताल में सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन (इमरजेंसी) सेवाएं संचालित हैं, जिससे दुर्घटना और गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार मिल रहा है। 220 बिस्तरीय अस्पताल को पूर्ण रूप से संचालित करने के लिए अतिरिक्त भवनों का उपयोग भी किया जा रहा है। राजस्व विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जनपद कार्यालय से भवन उपलब्ध कराए गए हैं। इन भवनों में भी वार्ड और बेड की व्यवस्था विकसित की जा रही है। शासन स्तर से आवश्यक उन्नयन और संचालन के लिए राशि स्वीकृत की गई है। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि अगले लगभग दो महीनों में 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल पूरी क्षमता से संचालित होने लगेगा। अस्पताल में वर्तमान में एक ही स्त्री रोग विशेषज्ञ होने से कभी-कभी दिक्कतें आती हैं, खासकर उनके अवकाश पर रहने की स्थिति में। हालांकि जिला स्तर पर समन्वय बनाकर मरीजों को सुविधा दी जा रही है। सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के प्रयासों से एक और स्त्री रोग विशेषज्ञ की 'वाइनिंग शीघ्र प्रस्तावित है। जरूरत पड़ने पर जिला अस्पताल से भी डॉक्टर बुलाकर गर्भवती महिलाओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। सिविल अस्पताल में अब विभिन्न विभागों में नियमित ऑपरेशन किए जा रहे हैं। हाल में किए गए प्रमुख मामलों में शामिल हैं—

जनरल सर्जरी इससे स्पष्ट है कि अब कई सर्जिकल सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हैं। उपलब्धियां: ओपीडी से डायलासिस और प्रसव सेवाओं तक बड़ा आंकड़ा अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक अस्पताल की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं- मरीज सेवाएं (अप्रैल 2025 - जनवरी 2026): कुल ओपीडी 91,254 मरीज, कुल आईपीडी 6,029 मरीज, डायलासिस — 4,087 सफल डायलासिस, नार्मल डिलीवरी — 975 प्रसव, सी-सेक्शन 1×4 ऑपरेशन प्रसव, हड्डी रोग ऑपरेशन 18, सामान्य सर्जरी — 54, ऑपरेशन 5, रक्त सेवा — ×56 मरीजों को ब्लड उपलब्ध। स्थानीय स्तर पर बेहतर इलाज, बाहर रेफर कम करने का लक्ष्य अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि उन्नयन के बाद सुविधाएं तेजी से बढ़ी हैं और लक्ष्य है कि अधिकतम मरीजों का उपचार मनेन्द्रगढ़ में ही हो। 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के पूर्ण संचालन के बाद क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा और मरीजों को सुलभ, त्वरित और किफायती इलाज मिल सकेगा। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की प्राथमिकता जिला और उपजिला स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना है, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बड़े शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। विभागीय बैठकों और निरीक्षणों में वे लगातार यह निर्देश दे रहे हैं कि अस्पतालों में डॉक्टर, उपकरण, दवा और जांच सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। मंत्री की सोच है कि सिविल अस्पतालों को मिनी-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल के रूप में विकसित किया जाए, जहां सामान्य सर्जरी, महिला एवं प्रसूति सेवाएं, डायलासिस, ट्रॉमा और विशेषज्ञ परामर्श जैसी सुविधाएं एक ही परिसर में मिल सकें। मनेन्द्रगढ़ का 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल इसी मॉडल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अस्पताल के उन्नयन के बाद स्थानीय लोगों और मरीजों ने संतोष जताया है। मरीजों और परिजनों का कहना है कि पहले छोटी-छोटी सर्जरी और जांच के लिए जिला या संभाग मुख्यालय जाना पड़ता था, लेकिन अब कई सुविधाएं यहीं उपलब्ध हो रही हैं।

डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से ओपीडी में लाइन कम हुई है और परामर्श जल्दी मिल रहा है। डायलासिस सुविधा शुरू रहने से गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिली है। प्रसूति और ऑपरेशन की सुविधा यहीं मिलने से खर्च और समय दोनों बच रहे हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ और बढ़ जाएं तो महिलाओं को और सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों का कहना है कि बेड क्षमता बढ़ने और नई बिल्डिंगों में वार्ड शुरू होने से भर्ती में भी आसानी हुई है। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी विजिट, नियमित विशेषज्ञ ओपीडी, आधुनिक जांच मशीनें और ब्लड बैंक की और मजबूती आने वाले समय में इस अस्पताल को क्षेत्र का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र बना सकती है। लोगों को उम्मीद है कि जिस गति से उन्नयन कार्य चल रहा है, उससे मनेन्द्रगढ़ का सिविल अस्पताल जल्द ही पूरे जिले के लिए भरोसेमंद उपचार केंद्र बन जाएगा।

सिगड़ी की जहरीली गैस बनी काल: बंद कमरे में दम घुटने से दंपती और 4 साल की मासूम की मौत

चन्द्रपुर में मातम, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने मौके पर पहुंचकर संभाली कमान

सूरजपुर। ठंड से बचने की कोशिश एक हंसते-खेलते परिवार के लिए काल बन गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चन्द्रपुर में मंगलवार रात बंद कमरे में सिगड़ी जलाकर सोए पति-पत्नी और उनकी चार वर्षीय मासूम बच्ची की दम घुटने से मौत हो गई। बुधवार सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा तोड़कर भीतर पहुंचे लोगों ने देखा कि तीनों अचेत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में कमरे में भरी जहरीली गैस, संभवत: कार्बन मोनोऑक्साइड, को मौत का कारण माना जा रहा है। बताया गया कि जिस कमरे में परिवार सो रहा था, उसमें न खिड़की थी और न ही रोशनदान। रातभर सिगड़ी से निकली गैस कमरे में भरती गई और तीनों की सांसें थम गईं। मृतकों में 28 वर्षीय कवल सिंह, उनकी 25 वर्षीय पत्नी कुंती और चार साल की मासूम बेटी शामिल हैं। एक साथ उठीं तीन अर्थियां, सन्नाटे में डूबा चन्द्रपुर सुबह जैसे ही तीनों की मौत की खबर गांव में फैली, चन्द्रपुर शोक में डूब गया। एक साथ तीन अर्थियां उठीं तो हर आंख नम हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के अनुसार कवल सिंह मेहनतकश और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। परिवार खुशहाल था, लेकिन एक छोटी सी असावधानी ने सब कुछ छीन लिया। गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा है। हर घर में इस दर्दनाक हादसे की चर्चा है और लोग अफसोस जता रहे हैं कि यदि कमरे में वेंटिलेशन की व्यवस्था होती तो शायद यह हादसा टल सकता था। संवेदनशील पहल: विधायक ने मौके पर पहुंच संभाली कमान घटना की सूचना मिलते ही प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी तत्काल चन्द्रपुर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। विधायक ने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर मुआवजा प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही शासन की ओर से उपलब्ध प्रावधानों के तहत हरसंभव आर्थिक सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया। परिजनों का हाथ थामकर उन्होंने ढांढस बंधाया और ग्रामीणों से अपील की कि ठंड के मौसम में सिगड़ी या अंगीठी का उपयोग करते समय कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन अवश्य रखें। ग्रामीणों ने कहा कि दुख की इस घड़ी में विधायक की सक्रियता और संवेदनशील मौजूदगी ने परिवार को संबल प्रदान किया है।

यादव समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन 22 को

रायपुर। छग झेरिया यादव समाज द्वारा युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह का आयोजन 22 फरवरी रविवार को सुबह 11 बजे यादव समाज भवन महादेव घाट रायपुरा में आयोजित किया गया है। उक्त समारोह में 21 जोड़ों का विवाह करने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में यादव समाज के प्रदेश सचिव सुंदर यादव ने दी। यादव ने पत्रकारवार्ता में बताया कि प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव होंगे। जबकि द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव करेंगे। जबकि विशिष्ठ अतिथि चंद्रपुर के विधायक रामकुमार यादव खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, महापौर मीनल चौबे, महिला विंग अध्यक्ष आशा संतोष यादव सहित यादव समाज के गणमान्य सदस्य होंगे।

पेड़ पर लटका मिला महिला का शव

कोरबा। एक 40 वर्षीय जनजातीय समुदाय की महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में बहुत हो गई ।महुआ पेड़ पर उसका शव लटका मिला है। कोरबी पुलिस ने सूचना मिलने पर मर्ग पंचनामा के साथ अगली कार्रवाई की। चौकी प्रभारी एसके जोगी ने बताया कि जलके गांव में यह घटना हुई। लाल सिंह टेकाम की पत्नी सोंनकुवर टेकाम का शव साड़ी से बनाये गए फंदे पर महुआ पेड़ पर लटका मिला। पेड़ की ऊंचाई 25 फीट से ज्यादा है। महिला को आसपास के लोगों ने पेड़ पर इस स्थिति में पाया। प्रथम दृष्टि में आंकलन किया गया कि मामला आत्महत्या का है। इस घटना को लेकर मृतका क परिजनों से पूछताछ की गई। इस दौरान किसी प्रकार के कारण या विवाद की जानकारी सामने नही आई। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के अंतर्गत पुलिस ने मर्ग कायम किया है। लोगों के सहयोग से मृतका का शव उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। चौकी प्रभारी ने बताया कि तथ्यों के आधार पर प्रकरण में आगे की जांच पड़ताल की जाएगी।

क्या मिली खुली छूट, रात में टर्मिनल के सामने वाहनों से डीजल चोरी करने पर आमादा गिरोह

सफेद स्कार्पियो में आते हैं नकाबपोश, चोरी के साथ नुकसान और धमकी भी

कोरबा। लंबे समय तक शांत रहने के बाद कोरबा जिले में डीजल चोर गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इस बार गिरोह पहले से अधिक दुस्साहस के साथ वारदातों को अंजाम दे रहा है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के गोपालपुर टर्मिनल के सामने मुख्य मार्ग पर खड़े भारी वाहनों को निशाना बनाया जा रहा है ।बताया जा रहा है कि अज्ञात बदमाश रात के अंधेरे में ट्रकों और अन्य मालवाहक वाहनों के टैंकों को तोड़कर डीजल चोरी कर रहे हैं। बीती रात भी कई वाहनों से हजारों लीटर डीजल पार कर दिया गया। जब चालकों को इसकी भनक लगी और उन्होंने विरोध जताया, तो आरोपियों ने उन्हें धमकाकर चुप करा दिया।

सूत्रों के मुताबिक इस गिरोह में कई सदस्य शामिल हैं, जिन्हें स्थानीय स्तर पर हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। चोरी की वारदातों में ये पूरी तरह पेशेवर अंदाज में काम करते हैं। जानकारी यह भी है कि ये लोग मारपीट से लेकर खुद को चोट पहुंचाने जैसे जोखिम उठाने से भी नहीं हिचकते, ताकि कानूनी कार्रवाई को प्रभावित किया जा सके। गिरोह कथित रूप से स्कॉर्पियो वाहन में सवार होकर देर रात इलाके में घूमता है और सड़क किनारे खड़े वाहनों को टारगेट करता है। वारदात के बाद तेजी से मौके से फरार हो जाते हैं।

आईओसी के सामने मुख्य मार्ग पर खड़े भारी वाहन और चोर गिरोह की स्कार्पियो।

गौरतलब है कि कुछ वर्ष पहले भी इसी क्षेत्र से बड़े पैमाने पर डीजल चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। उस समय पेट्रोल पंप संचालकों और वाहन मालिकों की शिकायत पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की थी, जिसके बाद कुछ समय तक ऐसी घटनाएं थम गई थीं।अब एक बार फिर नकाबपोश गिरोह की सक्रियता से वाहन चालकों और ट्रांसपोर्टरों में दहशत का माहौल है।

स्थानीय ट्रांसपोर्टरों और वाहन चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि गोपालपुर टर्मिनल क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जाए। साथ ही सीसीटीवी निगरानी को मजबूत कर गिरोह की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो डीजल चोरी की ये घटनाएं और बढ़ सकती हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट व्यवसाय पर गंभीर असर पड़ना तय है।

मालिकों ने नहीं लिखाई इस घटना की रिपोर्ट

खबर मिली है कि घटनाक्रम का पता चलने पर कुछ वाहन चालकों ने यहां का वीडियो अपने मोबाइल पर रिकार्ड कर लिया जिसमें चोर गिरोह को गाड़ी का फ्यूल टैंक तोड़कर डीजल चोरी करते देखा जा रहा है। कुछ दूर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी ये तस्वीर कैद हुई। कुछ चालकों ने अपने मालिकों को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने इसे हल्के से लिया। इस बारे में दर्री पुलिस के पास रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। ऐसे में चोर गिरोह का मनोबल बढ़ेगा ही और किसी पर जवाबदेही भी नहीं दी जा सकेगी।

दादर क्षेत्र में फ्लाईऐश ट्रांसपोर्ट कर रहे वाहन ने उखाड़ा खंभा

मानिकपुर पुलिस ने जब्त किया वाहन

कोरबा। शहरी क्षेत्र का बहुत बड़ा हिस्सा राखड़ के कहर से कांप रहा है। दादर क्षेत्र में भी खुलेआम राखड़ को डंप किया जा रहा है जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर तो असर पड़ ही रहा है इसके अलावा दैनंदिन जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। राखड़ वाहन से प्रदूषण बढ़ते जा रहा है, वहीं तेज रफ्तार वाहन के चलते लोगों की जान को भी खतरा है। मना करने के बावजूद इस क्षेत्र में मनमाने तरीके से यह काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले भी राखड डंप में लगे वाहन ने बिजली का खंभा तोड़ दिया था । गांव के लगभग 21 बिजली खंभे टूट गए थे जिससे काफी नुकसान विद्युत विभाग को हुआ था। लेकिन तब भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब दोबारा वही स्थिति बनने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। बिजली लाइन टूटने से गांव में न सिर्फ घरों की रोशनी गई बल्कि पेयजल आपूर्ति और छोटे व्यवसाय भी प्रभावित हुए। मानिकपुर चौकी पुलिस ने इस मामले में वाहन जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक कल

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के बांगो में कल कांग्रेस की बैठक आयोजित है। जिसमें जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान शामिल होंगे। मनरेगा का नाम परिवर्तन किए जाने पर क्षेत्र में चौपाल लगाने के लिए कांग्रेसियों से कहा गया था। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के सभी मंडलों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। इन सभी पर कल चर्चा की जाएगी। इसी तरह कटघोरा ग्रामीण के सभी क्षेत्रों में चौपाल कार्यक्रम हो चुके हैं। छुरीखुर्द में समापन का कार्यक्रम आयोजित होना है जिसके लिए कटघोरा ग्रामीण ब्लॉक के अध्यक्ष गोरेलाल यादव ने मंडल अध्यक्ष नंदकुमार देवांगन, सांसद प्रतिनिधि विनय दुबे को जिम्मेदारी दी है। जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता सभी क्षेत्रों में चौपाल लगाकर लोगों को जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

सुरक्षित होली के लिए महिला समूह बना रहे हर्बल गुलाल

फूलों और सब्जी-भाजी की उपयोगिता से दिया जा रहा नया फ्लेवर

कोरबा। होली के रंगोत्सव को लेकर कोरबा जिले में इस बार हर्बल गुलाल की खास मांग देखी जा रही है। जिले में 15 से अधिक महिला स्व-सहायता समूह प्राकृतिक और सुरक्षित हर्बल गुलाल तैयार कर रहे हैं। इन समूहों द्वारा बनाए गए रंग न केवल आकर्षक हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

महिलाओं ने बताया कि गुलाल बनाने में उपयोग किए जा चुके फूलों को पुन: प्रोसेस कर रंग तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा पालक, चुकंदर, हल्दी, मेहंदी, नीम सहित विभिन्न सब्जियों और भाजी के पत्तों के रस से अलग-अलग रंग और सुगंध विकसित की जा रही है। प्राकृतिक तत्वों से तैयार यह गुलाल त्वचा के लिए सुरक्षित माना जा रहा है। इन महिला समूहों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कच्चा माल और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। शुरुआत में समूहों ने अपने आसपास के क्षेत्रों में हर्बल गुलाल की बिक्री शुरू की। गुणवत्ता और सुरक्षित होने के कारण लोगों ने इसे पसंद किया और धीरे-धीरे अन्य इलाकों से भी मांग आने लगी।

फाइल फोटो

धंवईपुर, पोटापानी, कोई, अजगरबहार, सेंद्रीपाली में इस तरह के काम से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से वे इस प्रकार के उत्पाद तैयार कर रही हैं और इससे अच्छी आमदनी भी हो रही है। होली के सीजन में विशेष रूप से मांग बढ़ जाती है, जिससे समूहों की आय में इजाफा होता है। वर्तमान में कोरबा जिले के कोरबा, करतला, पौड़ी-उपरौड़ा, कटघोरा और पाली विकासखंडों में महिला समूह हर्बल गुलाल का उत्पादन कर रहे हैं। अलग-अलग रंगों और हल्की प्राकृतिक खुशबू के साथ पैकिंग कर इसे बाजार में उतारा जा रहा है। महिला समूहों का कहना है कि उनका हर्बल गुलाल पूरी तरह प्राकृतिक तत्वों से तैयार किया गया है और किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता। वे दावा करती हैं कि यह गुलाल त्वचा, आंख और बालों के लिए सुरक्षित है तथा इससे किसी प्रकार के दुष्प्रभाव की आशंका नहीं रहती।

इच्छाशक्ति से कार्यों को कराना संभव : रामकुमार

कोरबा। नगर निगम के पंपहाउस वार्ड से निर्वाचित पार्षद रामकुमार साहू ने कहा है कि इच्छाशक्ति और बेहतर करने का इरादा होने पर सभी तरह की बाधाओं को पार किया जा सकता है और कार्यों को आसान भी किया जा सकता है। लोगों का सहयोग भी इस मामले में आवश्यक है।

पहली बार इस वार्ड से पार्षद बनने के साथ अब तक अनेक कार्यों को कराने में सफल रहे रामकुमार साहू ने बताया कि स्थानीय आवश्यकता और लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर ऐसे प्रस्तावों को उपर दिया गया। संबंधितों को इनके महत्व से अवगत कराया गया। कहा गया कि ऐसे काम क्यों जरूरी हैं और इनके होने से जनता को कितनी सहूलियत मिलेगी। महापौर और अधिकारियों ने बात को समझा और ऐसे कार्यों को स्वीकृत कराने के साथ क्रियान्वयन का रास्ता प्रशस्त किया। पंपहाउस वार्ड के अंतर्गत आने वाले बड़े हिस्से में काफी समय से बनी हुई समस्याओं का निराकरण कराने के साथ उन आवश्यकताओं के तरफ भी ध्यान दिया गया जो एक तरह से जनता के लिए टीस बनी हुई थी। रामकुमार ने बताया कि जनप्रतिनिधि का दायित्व मिलने से पहले भी उन्होंने अपने स्तर पर इलाके की समस्याओं का अध्ययन करने के साथ इनके समाधान को लेकर संबंधित स्तर पर एप्रोच की। वे अधिकारियों को यह बताने में सफल रहे कि नागरिक दायित्व की पूर्ति भी बेहतर तरीके से की जा सकती है और समस्याओं का समाधान कराया जा सकता है।

सुधरने की चेतावनी दी ट्रैफिक पुलिस ने, आगे होगी सख्ती

कोरबा। ट्रैफिक पुलिस के द्वारा लोगों और वाहन चालकों से नियम पालन करने को कहा जा रहा है। नियम तोड़ने पर एक्शन जारी है। दोपहिया पर नाबालिगों की ट्रिपल राइडिंग के मामलों में पुलिस सख्त हो रही है। उन्हें शुरुआती तौर पर रूकवाकर चेताया जा रहा है। समझाइश पर मान जाते हैं तो ठीक वरना एक्शन तो होना ही है। पुलिस कह चुकी है कि ऐसे प्रकरणों में उनके पालकों को तलब किया जाएगा।

सरजू जाएंगे बंगाल

कोरबा। दो महीने बाद पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होना है। इसके लिए अभी से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं को बंगाल बुलाकर कार्यशाला में शामिल होने कहा गया है। जिसके तहत भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के सरजू अजय पश्चिम बंगाल में आयोजित कार्यशाला में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ से कुल 7 कार्यकर्ताओं को कार्यशाला में शामिल होने के लिए बुलाया गया है।

मुड़ापार वार्ड में होगा कांक्रीटीकरण का कार्य

कोरबा। मुड़ापार वार्ड में कई ऐसे मोहल्ले हैं जिसमें कांक्रीटीकरण का कार्य किया जाना है। वार्ड पार्षद रामगोपाल कुर्रे ने कांक्रीटीकरण करने के लिए नगर पालिक निगम में आवेदन जमा किया था। इसके बाद निगम के अधिकारियों ने मुड़ापार वार्ड आकर कार्यस्थल का निरीक्षण किया। ठेकेदारों को काम कराने के लिए टेंडर दे दिया गया है। कुछ दिनों बाद निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। इसी तरह मुड़ापार स्कूल के बाउंड्रीवाल को बढ़ाने के लिए भी कहा गया था। यह कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

होली पर शराब मिलेगी या नहीं, असमंजस में हैं शौकीन

कोरबा। मार्च के शुरुआती दिनों में होलिका दहन और रंगोत्सव संपन्न होगा। नाम के लिए इसे उत्साह और उमंग का त्योहार कहा जाता है लेकिन स्थिति ऐसी नजर नहीं आती। इसके ठीक उल्टे अब इस तरह का ऐलान सरकार की ओर से किया गया है कि होली पर भी शराब दुकानें खुली रहेगी। हालांकि अंतिम निर्णय कलेक्टर के विवेक पर होगा। कोरबा जिले में होली पर शराब की सुविधा को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसलिए शराब के शौकीन असमंजस में हैं कि होली पर वे कैसी व्यवस्था करें।

कोरबा जिले में कोविड कालखंड के दौरान होली से ठीक पहले एक ही दिन में पांच करोड़ की रिकार्ड शराब बिक्री हुई थी और इसने प्रदेश में पहला नंबर बनाया था। इसकी चर्चा काफी दूर तक हुई थी और अलग-अलग प्रकार की प्रतिक्रियाएं आई थी। उसके बाद से कोरबा जिले में आबकारी राजस्व के लक्ष्य लगातार बढ़ते गए। हैरानी इस बात की है कि महंगाई से लेकर तमाम तरह के रोने-धोने जैसे पाखंड के बीच शराब और बीयर की बिक्री से राजस्व कुछ ज्यादा ही प्राप्त हो रहा है। यह बात और है कि जिस अनुपात में शराब की दुकानें संचालित हो रही है उससे कहीं ज्यादा अवैध शराब निर्माण और विपणन का काम भी जोरों पर है। इधर सरकार ने हाल में ही घोषणा की है कि अब होली पर भी विभिन्न क्षेत्रों में शराब की दुकानें सामान्य दिनों की तरह खुली रहेंगी और इसके माध्यम से उस वर्ग के शौक को पूरा किया जाएगा जिसके साथ चोली-दामन का साथ है। होली के लिए अब 10 दिन का समय बाकी है और इंतजार किया जा रहा है कि कोरबा जिले में शराब बिक्री को लेकर स्थिति स्पष्ट हो। खबर है कि संबंधित सर्कुलर के संबंध में अभी कोई निर्णय यहां से नहीं हुआ है। आबकारी अधिकारी बोल पाने की स्थिति में नहीं हैं कि दुकानों को खोलना है या बंद रखना है। जबकि राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में एक दिन पहले आयोजित श्रमिक सम्मेलन में आबकारी मामलों की मंत्री की ओर से कहा गया कि कोरबा या अन्य जिले में होली पर शराब की बिक्री करने का फैसला आबकारी नहीं बल्कि कलेक्टर लेंगे।

शराब दुकानों की स्थिति होली पर क्या रहेगी, इसे लेकर विभिन्न क्षेत्रों से व्यवस्था के साथ कदमताल कर रहा वर्ग मीडिया के संपर्क में है। वह यह जानने की कोशिश में है कि होलिका दहन और रंगोत्सव पर हमारी दुकानें खुली रहेगी या नहीं। उनका पूछना इसलिए स्वाभाविक है क्योंकि अगर अनुकूलता रहेगी तो वे चिंतित नहीं रहेंगे। जबकि अन्य स्थिति में उन्हें एडवांस में अपने कोटा को पूरा करना होगा और इसके लिए अग्रिम रूप से बजट की व्यवस्था भी करनी होगी।

अब फाइबर के साथ सुविधा

प्रदेश में नई आबकारी नीति के साथ कई क्रांतिकारी बदलाव किए गए हैं। इन्हें लाभकारी और सुरक्षित बताया जा रहा है इसलिए तमाम तरह के खतरों को ध्यान में रखा गया है। अब तक कांच की बोतलों में की जा रही शराब की पेकिंग को विदा कर दिया गया है। फाइबर पैकिंग के साथ अब शराब की उपलब्धता कराई जा रही है। माना जा रहा है कि जिस वर्ग से आबकारी को अच्छा-खासा राजस्व प्राप्त होता है उसके समग्र हितों की चिंता जरूरी है। याद रखना होगा कि पिछली सरकार के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने शराबबंदी की विपक्ष की मांग के बीच कहा था कि हम अच्छी क्वालिटी की शराब उपलब्ध कराने पर ध्यान दे रहे हैं और इसमें किसी को ऐतराज नहीं होना चाहिए।

अमृतकाल में गुम हुआ शराबबंदी का शोर

याद रहे पिछले कांग्रेस सरकार के दौरान भाजपा ने शराबबंदी को लेकर यहां-वहां खूब प्रदर्शन किए, जो अब सत्ता में है। भाजपा के नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं ने वातावरण बनाने का प्रयास किया कि शराब के कारण काफी दिक्कतें हैं, परिवार बर्बाद हो रहे हैं। अनेक घरों का सामान बिक रहा है। सड़क से लेकर नाली और कहीं भी मदमस्त लोग गिरे-पड़े नजर आ रहे हैं। इसके कारण जिंदगियों को नुकसान हो रहा है और परिवार को क्षति। इसलिए शराबबंदी की जानी चाहिए। उस समय तकनीकी कारणों से कांग्रेस की सरकार ने शराबबंदी की मांग को किनारे कर दिया। अब भाजपा की सरकार इस दिशा में न केवल मौन है बल्कि पांच साल पहले उसका जो प्रदर्शन चल रहा था और चुनाव के समय भी जो बातें की गई थी वे सब हवा में उड़ गई। इसलिए अब विपक्ष अपनी भूमिका का निर्वहन करने के साथ पूछ रहा है कि अगर शराब को लेकर इतनी ही दिक्कत थी तो अब नई नीतियां और नई सुविधाओं के प्रति आपका मोह क्यों है।

फसल उत्पादन बढ़ाने पर होगी चर्चा

कोरबा। आज कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा ग्राम पताढ़ी में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की है। जिसमें कृषि उत्पादन बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। खासकर सिंचाई की समस्या को दूर करने के लिए कई सुझाव दिए जाएंगे। इसके अलावा कम दिनों में जो फसल होते हैं उन फसलों के विषय पर भी चर्चा होगी। बैठक में अधिकारियों के साथ-साथ जिला पंचायत सदस्य सुष्मिता अनंत, जनपद सदस्य अनिल खूंटे एवं सरपंच मौजूद रहेंगे। डीडीए देवेंद्र प्रताप सिंह तंवर ने बताया कि कोरबा जिले में अंतरवर्तीय फसलों के अलावा अन्य फसल के उत्पादन को लेकर लोगों को जानकारी दी जा रही है।

आवश्यकता है

कोरबा में अनुभवी कार ड्रायवर की शीघ्र आवश्यकता है।

// संपर्क करे //

मो. 9826389894

मंदिरों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में मदिरालय, जनता परेशान

पुराना बस स्टैंड में आखिर कब मिलेगी राहत

कोरबा। कोरबा के हृदय स्थल पुराना कोरबा में मुख्य मार्ग में संचालित अंग्रेजी शराब दुकान परेशानी का कारण लगातार बना हुआ है। यहां के लोग दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक लगने वाले शराबियों के जमघट के कारण जहां परेशान हो रहे हैं वही हर समय किसी न किसी अनहोनी का अंदेशा बना रहता है।

शहर की शांति व्यवस्था पहले से ही सूखे और सूंघने वाले नशे के कारण खराब होती रही है और अब बीच शहर पर खुली शराब दुकान इस समस्या को और भी बढ़ा रही है। आए दिन छुटपुट मारपीट, वाद-विवाद और गाली-गलौज की घटना से लोग परेशान हो गए हैं। निवासरत लोगों के साथ-साथ यहां के व्यापारियों का भी अमन-चैन छिन गया है। इस शराब दुकान के 100 मीटर के दायरे में ही गौरीशंकर मंदिर, श्री पंचदेव मंदिर, श्रीराम जानकी मंदिर, सरस्वती शिशु मंदिर भी स्थित है। इन मंदिरों व स्कूल में आने वाले लोगों सहित आने-जाने वाले विद्यार्थियों को भी काफी असहजता का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों की निगाहें अपने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन की ओर टिकी हुई हैं कि आखिर उनकी गुहार पर कब सुनवाई होगी और कब यहां से इस सिरदर्द शराब दुकान को कहीं और शिफ्ट किया जाएगा?

पोड़ीबहार काली मंदिर में हुआ संकीर्तन

कोरबा। पोड़ीबहार स्थित काली मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ तीन दिवसीय अखंड हरि नाम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर तीनों दिन भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से गुंजायमान रहा। विभिन्न भजन मंडलियों एवं स्थानीय श्रद्धालु समूहों ने क्रमवार भगवान के नाम का संकीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस आयोजन का संरक्षण डॉ. कैसी देवनाथ के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुबह से देर रात तक 'हरे राम-हरे कृष्ण' और देवी-देवताओं के भजनों की प्रस्तुति होती रही। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कीर्तन में सहभागिता निभाई।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com